रांची विमेंस कॉलेज, रांची

3 वर्षीय स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम
हिंदी विभाग
सत्र 2021 से 2024 से लागू

रुचि आधारित ,साख पद्धति
सीबीसीएस
चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम

Department of Hindi

A meeting of board of studies

Date : 17/05/2021

A meeting of board of studies of Hindi held [illegible] through Google meet on 17th May at [illegible] p.m.

Members present

1. Chairperson : Dr. Kumari Urvashi

2. Faculty members

   i. Dr. Sunita Yadav
   ii. Dr. Madhubala Sinha
   iii. Dr. Pragya Gupta
   iv. Dr Kiran Tiwari
   v. Dr. Sunita Kumari
   vi. Mrs Karuna Khalkho (contractual)

3. Experts from outside the college

   i. Dr. Hiranandan Prasad(HOD)
   Department of Hindi,
   Ranchi University,Ranchi

   ii. Dr. Maya Prasad (retired)
   Associate professor,Hindi
   Ranchi University, Ranchi

4. University nominee :

   i. Dr Anil Thakur
   Associate professor,
   Department of Hindi,
   DSPMU, Ranchi

5. Meritorious students :

   i. Ms Vadita Kumari, U.G sem 4
   ii.Ms.Divya kumari,P.G.sem 2

Agenda - To review the syllabus and making changes [illegible]

Member Secretary
Academic Council
Ranchi Women's College

CHAIRPERSON
ACADEMIC COUNCIL
RANCHI WOMEN'S COLLEGE

Agenda – To review the syllabus and making changes if required.

Resolution : It is decided unanimously that the syllabus is perfect and there is no need to change in both UG and PG syllabus.

- In common meeting of all Heads, Coordi-nators and Principal it was discussed to add program specific outcome and course outcome in UG and PG syllabus. So we added in the UG and PG syllabus.

- Program specific outcome and Course out-come for each paper has also been added inside the syllabus.

- As directed in the meeting In PG syllabus all paper number format be made same for all subjects as far as possible for convenience of Exam Department. In meeting a sample of prescribed format is shown. ~~Sub~~ We follow this format.

हिंदी स्नातक सेमेस्टर एक

CORE COURSE - C1

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)

उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य लेखन की परंपरा से छात्राओं को अवगत कराना
- साहित्य इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं से परिचित कराना
- आदिकाल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना
- हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण से अवगत कराना
- आदिकाल के प्रमुख कवियों से परिचित कराना

लाभ :

- हिंदी साहित्य लेखन की परंपरा से छात्राएं परिचित होंगी।
- साहित्य इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं से छात्राएं परिचित होंगी।
- हिंदी साहित्य के काल विभाजन से छात्राएं परिचित होंगी।
- आदिकाल की काव्य प्रवृत्तियों से छात्राएं परिचित होंगी।
- आदिकाल के प्रमुख कवियों से छात्राएं परिचित होंगी।
-

हिंदी स्नातक सेमेस्टर एक

CORE COURSE - C2

हिंदी साहित्य का इतिहास (भक्ति काल)

उद्देश्य :

- भक्ति आंदोलन से छात्राओं को अवगत कराना।
- संत काव्य और सूफी काव्य से छात्राओं को अवगत कराना।
- कबीरदास और जायसी के काव्य वैशिष्ट्य से अवगत कराना।
- कृष्ण काव्य और राम काव्य से अवगत कराना।
- सूरदास और तुलसीदास के काव्य विशेषताओं से परिचित कराना।

लाभ :

- भक्ति आंदोलन से छात्राएं परिचित होंगी।
- संत काव्य सूची का विषय परिचित होंगी।
- कबीरदास और जायसी की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।
- कृष्ण काव्य और राम कब से परिचित होंगी।
- सूरदास और तुलसीदास की प्रासंगिकता जान सकेंगी।
-

हिंदी स्नातक सेमेस्टर एक

AECC

योग्यता संवर्धन पाठ्यचर्या

उद्देश्य :

- रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास कराना।
- रामधारी सिंह **'दिनकर'** की रचना **'रश्मिरथी'** से अवगत कराना।
- हिंदी व्याकरण से परिचित कराना।
- भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होगा।

लाभ :

- रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास होगा।
- रामधारी सिंह 'दिनकर' और उनकी रचना से अवगत होंगी।
- हिंदी व्याकरण का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होगा

हिंदी स्नातक सेमेस्टर एक

AECC - 1

योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यचर्या

उद्देश्य :

- आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना
- मैथिलीशरण गुप्त के काव्य से परिचित कराना
- हिंदी व्याकरण से अवगत कराना
- जिबंध लेखन कला का विकास करना

लाभ :

- आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा
- पंचवटी खंडकाव्य की जानकारी प्राप्त होगी
- हिंदी व्याकरण से अवगत होंगी
- निबंध लेखन की क्षमता विकसित होगी
-

हिंदी स्नातक सेमेस्टर दो

CORE COURSE - C3

हिंदी साहित्य का इतिहास रीतिकाल एवं रीतिकालीन कविता

उद्देश्य :

- रीतिकाल की सम्यक जानकारी प्राप्त करना
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराना
- रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख कवियों से परिचित कराना
- मतिराम ,बिहारी, घनानंद , भूषण आदि कवियों के काव्य वैशिष्ट्य से परिचित कराना ।

लाभ :

- रीतिकाल की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी ।
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं से अवगत होंगी ।
- रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त होगी ।
- मतिराम , बिहारी , भूषण आदि कवियों के काव्य वैशिष्ट्य से लाभान्वित होंगी ।

हिंदी सेमेस्टर दो

CORE COURSE - C4

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

भारतेंदु युग और द्विवेदी युग

उद्देश्य :

- आधुनिक काल से अवगत कराना।
- हिंदी गद्य के विकास में भारतेंदु के योगदान से अवगत कराना।
- द्विवेदी युग से परिचित कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता से अवगत कराना।
- छायावाद प्रगतिवाद प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराना।

लाभ :

- आधुनिक काल से अवगत होंगी।
- हिंदी गद्य के विकास की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- आधुनिक हिंदी कविता की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- द्विवेदी युग से परिचित होंगी।
- छायावाद प्रगतिवाद प्रयोगवाद की विशेषताओं से अवगत होंगी।

हिन्दी स्नातक सेमेस्टर 2

GE-2

सामान्यकृत चयन

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

उद्देश्य :

- पाश्चात्य साहित्य से अवगत कराना ।
- अभिव्यंजनावाद से परिचित कराना।
- स्वच्छंदतावाद से परिचित कराना।

- मनोविश्लेषणवाद से परिचित कराना।
- बिम्ब ,मिथक ,प्रतीक के स्वरूप से परिचित कराना।

लाभ :

- पाश्चात्य साहित्य से छात्राएं परिचित होंगी।
- अभिव्यंजनावाद से परिचित होंगी।
- स्वच्छंदतावाद से परिचित होंगी।
- मनोविश्लेषणवाद से परिचित होंगी।
- बिंब , मिथक ,प्रतीक के स्वरूप को जान सकेंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर दो
GE - 2 अनुवाद

उद्देश्य :

- अनुवाद की अवधारणा और स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना
- अनुवाद की प्रक्रिया से अवगत कराना
- अनुवाद के गुण तथा अनुवाद के प्रकार से अवगत कराना
- हमारे आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण से अवगत कराना

लाभ :

- अनुवाद की अवधारणा से छात्राएं परिचित होंगी।
- अनुवाद की प्रक्रिया से परिचित होंगी।
- अच्छे अनुवादक के गुण से परिचित होंगी।
- आदर्श अनुवाद के लक्षण से अवगत होंगी ।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 2

AECC - 2

योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यचर्या

पर्यावरण अध्ययन

उद्देश्य :

- पर्यावरण से छात्राओं को परिचित करवाना।
- पर्यावरण की उपादेयता से छात्राओं को अवगत कराना।
- पर्यावरण प्रदूषण के कारणों से छात्राओं को अवगत कराना।
- पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकताओं से छात्राओं को अवगत कराना।
- पर्यावरण संरक्षण की शासकीय प्रयास क्या-क्या है उसकी जानकारी

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 3

CORE COURSE - 5

छायावादोत्तर हिंदी कविता

उद्देश्य :

- छात्राएं छायावादोत्तर हिंदी कविता को समझेंगी।
- हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की जानकारी लेंगे
- नई कविता का उद्भव और विकास से परिचित होंगे
- नई कविता का उदयेतर विकास की जानकारी होगी।
- नई कविता की प्रवृत्तियों के विषय में छात्राएं जानेंगी।

लाभ :

- छायावादोत्तर हिंदी कविता को छात्राएं भली-भांति समझेंगी।
- प्रगतिवाद और प्रयोगवाद का उद्भव और विकास से छात्राएं पूर्णरूपेण परिचित होंगी।
- छात्राएं नई कविता का उद्भव और विकास से परिचित होंगी।
- आधुनिक काल में नई कविताओं के विकास से संबंधित पूर्ण जानकारी छात्राओं को प्राप्त होगी।
- छात्राएं नई कविताओं की प्रवृत्तियों के विषय में जानकारी हासिल कर सकेंगी ,जिससे उन्हें कविताओं को समझने में आसानी होगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 3

CORE COURSE- 6

हिंदी कथा साहित्य

उद्देश्य :

- छात्राएं हिंदी कथा साहित्य को समझेंगे।
- हिंदी कहानी का उद्भव और विकास को जानेंगी।
- हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास के विषय में छात्राएं जानकारी लेंगी।
- प्रेमचंद का उपन्यास **गबन** की कथावस्तु को छात्राएं जानेंगी।
- कथा साहित्य के अंतर्गत विभिन्न कहानियों की जानकारी छात्राएं लेंगी।

लाभ :

- कहानी साहित्य का उत्तरोत्तर विकास और उसके अंतर्गत मिलने वाली शिक्षा से छात्राएं अवगत होंगी।
- हिंदी कहानी का उद्भव और विकास से छात्राएं अवगत होंगी।
- छात्राएं हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास से अवगत होंगी।
- प्रेमचंद का उपन्यास **गबन** से मिलने वाली शिक्षा से छात्रा अवगत होंगी।
- विभिन्न कहानियों की कथावस्तु और उससे मिलने वाली शिक्षा से छात्राएं अवगत होंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 3

CORE COURSE -7

हिंदी नाटक और अन्य गद्य विधाएं

उद्देश्य :

- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास से छात्राएं अवगत होंगी।
- हिंदी नाटक की विशेषताओं को छात्राएं जानेंगी।
- छात्राएं हिंदी की अन्य गद्य विधाओं से अवगत होंगी।
- छात्राओं को निबंध के विषय में जानकारी होगी
- हिंदी निबंध का आरंभ और विकास से छात्राएं अवगत होंगी।

लाभ :

- हिंदी नाटक से मिलने वाली शिक्षा से छात्राएं अवगत होंगी।
- हिंदी नाटक की संवेदना और शिल्प से छात्राएं अवगत होंगी।
- हिंदी के अन्य गद्य विधाओं की कथावस्तु से छात्राएं परिचित होंगी।
- छात्राएं निबंध की विशेषताओं से परिचित होंगी।
- हिंदी निबंध का उत्तरोत्तर विकास से छात्राएं परिचित होंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर - 3
कौशल विकास पाठ्यचर्या

उद्देश्य:

1. श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो लेखन की जानकारी देना।
2. रेडियो लेखन के महत्व की जानकारी देना।
3. दृश्य माध्यम के रूप में टेलीविजन के माध्यम का वर्णन करना।

4. रेडियो वार्ता रेडियो नाटक की जानकारी देना।
5. रेडियो साक्षात्कार और अन्य विधाओं की जानकारी देना।

लाभ:

1. श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो की जानकारी से अवगत होंगी।
2. छात्राएं रेडियो लेखन के महत्व से परिचित होंगी।
3. टेलीविजन के महत्व को जाना।
4. रेडियो के महत्व से परिचित होंगी।
5. रेडियो साक्षात्कार से अवगत होंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर -3

सामान्यीकृत चयन

उद्देश्य:

1. साहित्य और पत्रकारिता के संबंध की जानकारी देना।
2. हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास के विषय में जानकारी देन।
3. साहित्यिक पत्रकारिता का उद्देश्य की जानकारी देना।
4. पत्रकारिता के भविष्य की जानकारी देना।
5. साहित्य और पत्रकारिता की पूर्ण जानकारी देना।

लाभ:

1. साहित्य और पत्रकारिता को पूर्ण रूप से जानकारी को ग्रहण किया।
2. छात्राओं में हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास का पूर्णरूपेण जानकारी हासिल की।
3. छात्राएं साहित्यिक पत्रकारिता के उद्भव की जानकारी ग्रहण की।
4. पत्रकारिता में भविष्य की जानकारी ग्रहण की।
5. साहित्य और पत्रकारिता के संबंध में जानकारी ग्रहण की।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 4

CORE COURSE - 8

भाषा विज्ञान

उद्देश्य :

- छात्राएं भाषा की परिभाषा की जानकारी लेंगी।
- छात्राएं भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियें से परिचित होंगी।
- भाषा के प्रमुख अंग से छात्राएं परिचित होंगी।
- भाषा और बोली में अंतर को पूर्णरूपेण छात्राएं समझेंगी।
- छात्राएं भाषा विज्ञान की शाखाओं के साथ ध्वनि परिवर्तन , अर्थ परिवर्तन और देवनागरी लिपि से परिचित होंगी।

लाभ :

- छात्राएं भाषा की परिभाषा से परिचित होंगी।
- छात्राओं को भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियों की जानकारी मिली।
- भाषा के प्रमुख अंग से छात्राएं अवगत होंगी।
- भाषा और बोली में अंतर को छात्राएं पूर्णरूपेण जानेंगी।
- छात्राएं भाषा विज्ञान के अंतर्गत ध्वनि परिवर्तन अर्थ परिवर्तन और देवनागरी

लिपि के विषय में जानकारी हासिल किया।

हिन्दी स्नातक सेमेस्टर 4

CORE COURSE - 9

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

उद्देश्य :

- छात्राएं हिंदी भाषा का उद्भव और विकास से परिचित होंगी।
- हिंदी की बोलियों की जानकारी छात्राएं लेंगी।
- छात्राएं राष्ट्रभाषा हिंदी और राजभाषा हिंदी और विश्व भाषा हिंदी से परिचित होंगी।
- छात्राएं राजभाषा हिंदी और राष्ट्रभाषा हिंदी में अंतर को जानेंगी।
- नागरी लिपि की पूर्ण जानकारी छात्राएं ग्रहण करेंगी।

लाभ :

- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास से छात्राएं परिचित हुई।
- छात्राओं ने हिंदी की बोलियों की जानकारी ली।
- छात्राएं राष्ट्रभाषा हिंदी , राजभाषा हिंदी और विश्वभाषा हिंदी के महत्व से परिचित हुई।
- राष्ट्रभाषा हिंदी और राजभाषा हिंदी के अंतर को छात्राएं समझीं।
- नागरी लिपि की वैज्ञानिकता , नागरी लिपि की समस्याएं और नागरी लिपि में सुधार से परिचित हुई।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 4

CORE COURSE - 10

प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य :

- प्रयोजनमूलक भाषा से छात्राएं परिचित होंगी ।
- छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी की समग्र जानकारी प्राप्त करेंगी ।
- प्रशासनिक हिंदी , व्यवसायिक, हिंदी जनसंचार माध्यमों की हिंदी और तकनीकी हिंदी की विशेषताओं से छात्राएं अवगत होंगी ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रासंगिकता से छात्राएं परिचित होंगी ।
- राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा की जानकारी छात्राएं लेंगी

लाभ :

- छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी को भली - भांति जानेंगी ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की पूर्णरूपेण जानकारी छात्राओं ने प्राप्त की
- प्रशासनिक हिंदी , व्यवसायिक हिंदी , जनसंचार माध्यमों के हिंदी और तकनीकी हिंदी को समझने की दृष्टि प्राप्त हुई ।
- छात्राओं को प्रयोजनमूलक हिंदी की जानकारी मिली
- राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा को भली- भांति समझ सकेंगी ।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 4
कौशल विकास पाठ्यचर्या

उद्देश्य :

- कार्यालय में हिंदी प्रयुक्ति का महत्व से छात्राओं को अवगत कराना ।
- कार्यालयी **पत्राचार** , **टिप्पण** और **प्रारूपण** की जानकारी देना ।
- कार्यालय हिंदी की अन्य प्रयुक्तियों - **ज्ञापन** , अनुस्मारक , अधिसूचना आदि की जानकारी देना ।

- **विज्ञापन , निविदा** और **पृष्ठांकन** की जानकारी छात्राओं को देना ।
- कार्यालयी हिंदी की प्रयुक्तियों का अभ्यास और पत्राचार लेखन की जानकारी देना ।

लाभ :

- कार्यालय में हिंदी के प्रयोग और महक महत्व से छात्राएं अवगत हुई ।
- कार्यालयी **पत्राचार** , **टिप्पण** और **प्रारूपण** की जानकारी छात्राओं को मिली
- **ज्ञापन** , **अनुस्मारक** , **अधिसूचना** आदि से छात्राएं परिचित हुई ।
- **विज्ञापन** , **निविदा** आदि की जानकारी प्राप्त हुई ।
- कार्यालय में हिंदी का प्रयोग और पत्राचार प्रयुक्ति की जानकारी छात्राओं को मिली ।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 4

CORE COURSE - GE

सामान्यीकृत चयन

उद्देश्य :

- कविता के विविध रूप - **प्रबंध काव्य , खंड काव्य , चंपू काव्य , मुक्तक काव्य गीत ,छंद , लय और तुक** जानकारी देना ।
- नाटक के विविध रूप- **एकांकी, काव्य नाटक और रंगमंच** की जानकारी छात्राओं को देना ।
- **उपन्यास** , **कहानी आत्मकथा** और **जीवनी** की जानकारी देना ।
- **संस्मरण** और **यात्रा वृतांत** की छात्राओं को अवगत कराना ।
- **व्यंग्य** , **डायरी** और **पत्र लेखन** की जानकारी देना ।

लाभ :

- कविता के विविध रूपों से भली-भांति छात्राएं परिचित हुई।
- नाटक के विविध रूपों की जानकारी मिली।
- उपन्यास और कहानी से भली-भांति परिचित हुई।
- संस्मरण और यात्रा वृतांत से अवगत हुई।
- योगी और पत्र लेखन की जानकारी प्राप्त की।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 5

CORE COURSE - 11

भारतीय काव्यशास्त्र

उद्देश्य :

- छात्राएं भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित होंगी।
- छात्राएं विभिन्न अलंकारों को जानेंगी।
- छात्राएं काव्य लक्षण से परिचित होकर कविता की समझ विकसित करेंगी।
- छात्राएं काव्य प्रयोजन के बारे में जानेंगी।
- छात्राएं रस एवं उनके भेद के बारे में जानेंगी ,जिससे साहित्य को समझने में दृष्टि मिलेगी।

लाभ :

- छात्राओं को काव्य लक्षण की जानकारी मिली , जिससे कविता की समझ विकसित हुई।
- रस एवं उसके भेद जानकर छात्राओं ने साधारणीकरण की प्रक्रिया समझी।
- अलंकारों के बारे में छात्राओं ने जाना और कविता की कला पक्ष की व्याख्या करने की समझ विकसित हुई।
- छात्राओं को काव्य गुण की जानकारी मिली।
- छात्राओं को काव्य दोष की जानकारी मिली।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 5

CORE COURSE - 12
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

उद्देश्य :

- छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की जानकारी मिलेगी ।
- छात्राएं प्लेटो की काव्य धारणा को जान सकेंगी ।
- छात्राओं को अरस्तु के अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत की जानकारी मिलेगी ।
- छात्राएं आइ.ए. रिचर्ड्स की मान्यताओं से परिचित होंगी ।
- छात्राओं को बिंब प्रतीक मिथक आदि विचार धाराओं की जानकारी मिलेगी जिससे साहित्य की समझ विकसित होगी ।

लाभ :

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित होने से जानकारी बढ़ी ।
- अरस्तु के विरेचन सिद्धांत को जानकर कॉमेडी और ट्रेजेडी से छात्राएं परिचित हुई
- मनोविश्लेषणवाद को जानकर छात्राओं की काव्य शास्त्रीय अवधारणा मज़बूत हुई ।
- बिम्ब मिथक और प्रतीक की जानकारी से कविता को समझने की शक्ति मिली ।

हिन्दी स्नातक सेमेस्टर 5

DSE - 1
सूरदास और तुलसीदास

उद्देश्य :

- सूरदास के जीवन दर्शन से छात्राएं परिचित होंगी ।
- भ्रमरगीत सार के द्वारा सगुण भक्ति की जानकारी मिलेगी ।
- छात्राएं तुलसीदास के जीवन दर्शन एवं उनकी रचनाओं से परिचित होंगी ।

- रामचरितमानस के द्वारा भारतीय जीवन मूल्यों की जानकारी मिलेगी।
- विनय पत्रिका के अध्ययन से तुलसीदास की भक्ति भावना से छात्राएं परिचित होंगी।

लाभ :

- सूरदास के जीवन दर्शन को जानकर सगुण भक्ति के महत्व की जानकारी मिली
- भ्रमरगीत सार द्वारा सूरदास के श्रृंगार भावना का परिचय मिला
- रामचरितमानस के अध्ययन से भारतीय जीवन मूल्यों की जानकारी मिली।
- तुलसीदास के जीवन और दर्शन की जानकारी मिली

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 5

DSE - 2

कबीर दास

उद्देश्य :

- छात्राएं कबीर के जीवन दर्शन से परिचित होंगी।
- कबीर की सामाजिक चेतना से परिचित होंगी।
- कबीर की प्रासंगिकता की जानकारी मिलेगी।
- कबीर के निर्गुण भक्ति से परिचित होंगी।
- कबीर के समय काल को जानेंगी।
-

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 6

CORE COURSE - 13

हिंदी समीक्षा

उद्देश्य :

- हिंदी समीक्षा के उद्भव एवं विकास की जानकारी मिलेगी।
- हिंदी की स्वच्छंदतावादी समीक्षा की जानकारी मिलेगी।
- छात्राएं रामचंद्र शुक्ल हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचकीय दृष्टि से परिचित होंगी।
- छात्राएं रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह के आलोचकीय अवदान से अवगत होंगी।
- हिंदी की मार्क्सवादी समीक्षा के बारे में छात्राएं जानेंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 6

CORE COURSE - 14

विश्व भाषा हिंदी

उद्देश्य :

- छात्राओं को राष्ट्रभाषा हिंदी की जानकारी मिलेगी।
- छात्राएं विश्व भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति को जानेंगी।
- छात्राएं संसार की भाषाएं एवं हिंदी की स्थिति से परिचित होंगी।
- छात्राएं भूमंडलीकरण एवं उसकी आवश्यकता को जानेंगी।
- छात्राएं हिंदी की दशा एवं दिशा से परिचित होंगी।

हिंदी स्नातक सेमेस्टर 6

DSE -3

लोक साहित्य

उद्देश्य :

- छात्राए लोक साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप से परिचित होंगी।
- छात्राए लोक संस्कृति की अवधारणा को जानेंगी।
- छात्राए लोक साहित्य के प्रमुख रूप और लोक कथा, लोक गाथा एवं लोकोक्तियों से परिचित होंगी।
- छात्राए प्रसिद्ध लोक गाथा - ढोला-मारू , लोरीकायन लैला-मजनू , हीर-रांझा आदि से परिचित होंगी।
- लोक साहित्य के संकलन की समस्याओं से भी परिचित होंगी।

हिन्दी स्नातक सेमेस्टर 6

DSE - 4

साहित्य के नए विमर्श

उद्देश्य :

- छात्राएं अस्मिता केंद्रित विमर्श की अनिवार्यता से परिचित होंगी।
- छात्राएं हिंदी में दलित विमर्श के संबंध में जानेंगी।
- छात्राएं स्त्री विमर्श पर जानकारी प्राप्त करेंगी।
- हिंदी में स्त्री-आत्मकथा के वैशिष्ट्य से परिचित होंगी।
- छात्राएं हिंदी में बाल विमर्श, हिंदी में वृद्ध विमर्श एवं हिंदी में विकलांग विमर्श से परिचित होंगी।

लाभ :

- छात्राएं विभिन्न विमर्शों से जुड़ेंगी
-

रूचि आधारित साख पद्धति

हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

विषय कोड = **06**

राँची विश्वविद्यालय के अंतर्गत त्रि–वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

अकादमिक सत्र 2019–2022 से कार्यान्वित

पाठयक्रम समिति के सदस्यगण

1. अध्यक्ष – **डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय**
   अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
   राँची विश्वविद्यालय, राँची, (झारखण्ड)

2. सदस्यगण –

   i. डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंदन पाण्डेय,

   ii. डॉ0 अरूण कुमार

   iii. डॉ0 हीरानंदन प्रसाद,

   iv. डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

   v. डॉ0 रामेश्वर साहु

   vi. डॉ0 नरेन्द्र झा

राँची विश्वविद्यालय वेबसाइट पर प्रकाशनार्थ समर्पित

17/5/18

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
राँची विश्व विद्यालय, राँची-8
चलभाष:-9431595318

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के सम्यक जानकारी प्राप्त करना।
2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।
3. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना।
4. भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति–कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना।
5. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।
6. रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।

रुचि आधारित साख पद्धति (CBCS) :

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

- 6 सेमस्टरों में विभक्त
- कोर – अर्थात् ऑनर्स / प्रतिष्ठा 84 क्रेडिट
- डी. एस. ई. – डिस्सिलिनरी, स्पेसिफिक इलेक्टिव 24 क्रेडिट सिर्फ समेस्टर 5 व 6 के लिए
- ए. ई. सी. सी. – योग्यता विकास 04 क्रेडिट सिर्फ समेस्टर 1 व 2 के लिए
- स्कील – कौशल विकास 04 क्रेडिट सिर्फ समेस्टर 3 व 4 के लिए
- जी. ई -A. – जेनेरिक इलेक्टिव -A 24 क्रेडिट सिर्फ समेस्टर 1, 2, 3 व 4 के लिए
- जी. ई. -B – जेनेरिक इलेक्टिव -B 24 क्रेडिट सिर्फ समेस्टर 1, 2, 3 व 4 के लिए

- सम्पूर्ण पाठ्य की कुल क्रेडिट – 164 क्रेडिट

पाठ्यक्रम के विषय में

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति।।

– गीता 4/38

अर्थात् इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला निःसंदेह कुछ भी नहीं है। उस ज्ञान को कितने ही कालस कर्मयोग के द्वारा शुद्धान्तः करण हुआ मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है।

ज्ञान सद्गुण हैं और सद्गुण ही ज्ञान है।

– सुकरात

झड़ गयी पुच्छ, नखदन्त झड़े,
पशुता का झड़ना बाकी है।
ऊपर–ऊपर तन सँवर चुका,
मन अभी सँवरना बाकी है।

– दिनकर

भाषा का प्रयोग दो रूपों में किया जाता हैं – बोलचाल तथा लिखित रूप में। बोलचाल की भाषा का मतलब दैनिक प्रयोग की भाषा से है। इसमें व्यक्तिगत रचनात्मकता का अभाव होता है। यह सामाजिक रचनात्मकता द्वारा निर्मित होती है। इस कारण इसमें सामाजिक–सांस्कृतिक रिश्तों की प्रगाढ़ता होती हैं लिखित भाषा बोल–चाल की भाषा से थोड़ी भिन्न होती है। मौखिक भाषा जब लिखित रूप में प्रयुक्त होती है तब वह गंभीर हो जाती है, विषय के अनुरूप उसमें परिवर्तन हो जाता है।

लिखित भाषा का प्रयोग केवल साहित्य के लिए ही नहीं होता। कार्यालय, शास्त्र, विज्ञान, कला, संचार, आदि के लिए भी इसका प्रयोग अपेक्षित हे। कार्यालय, विज्ञान, शास्त्र, संचार आदि की भाषा से साहित्य की भाषा भिन्न होती है। साहित्येत्तर विषयों की भाषा ज्यादा वैचारिक, विश्लेषणात्मक तथा सूचनात्मक होती है। इसमें मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों की दरकार नहीं होती, किन्तु साहित्यिक भाषा में मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों के साथ–साथ ज्ञान का विशाल भंडार होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रधान शिक्षा के इस युग में जहाँ मानवीय संवेदनाएँ मरती जा रही हैं, मानव मूल्य विनष्ट होते जा रहे हैं, वहीं बोलचाल की हिंदी और साहित्य की भाषा हिंदी अपने हजार–हजार हाथों से विश्व मानव मूल्यों के टूटन को, मरती हुई संवेदना को रोक रखती है, तथा मानव के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है।

मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड की हिंदी पाठ्यक्रम समिति ने रूचि केन्द्रित (CBCS) सेमेस्टर पद्धति पर आधारित त्रि–वर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा एवं सामान्य कक्षाओं के लिए अपने पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय आत्मा की धरोहर, मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं से परिपूर्ण ऐसी ही हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्वपूर्ण सन्दर्भों एवं हिस्सों को निर्धारित किया है।

स्नातक प्रतिष्ठा के विभिन्न सेमेस्टरों के लिए एक ओर जहाँ हिंदी साहित्य के इतिहास का आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के विभिन्न खंडों को रखा गया है, वहीं उस काल खण्ड के महान कवियों, लेखकों एवं उनकी महत्वपूर्ण कृत्तियों को भी स्थान दिया गया है। इस पाठ्यक्रम में निबंध एवं व्याकरण के भी कुछ हिस्सों को अनिवार्य बनाया गया है।

प्रत्येक भाषा–साहित्य एवं देश का अपना इतिहास होता है। यह अनेक कालखंडों में विभाजित होता है। प्रत्येक कालखंड की अलग–अलग, अपनी–अपनी, परिस्थितियाँ होती हैं। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरणीय आदि वातावरण होते हैं। इतिहास का अध्ययन इन्हीं प्राचीन भाषा–साहित्य, सभ्यता, संस्कृति आदि को जानने के लिए आवश्यक होता है वहीं, सृजनात्मक साहित्य मानवमूल्यों में अभिवृद्ध कर व्यक्ति को संवेदनशील बनाकर, उसमें भाषिक दक्षता प्रदान कररता है, सौन्दर्यबोध उत्पन्न करता है तथा देश की कामकाजी व्यवस्था के अनुकूल बनाता है। हिंदी आज न सिर्फ राष्ट्रीय गुणवता और संस्कार–संस्कृति की भाषा है वरन् विश्वग्राम की एक महत्ती रोजगारोन्मुख भाषा है जिसे जानने, समझने और अपनाने वालों की संख्या वैश्विक स्तर पर अव्वल है। हम आशा करते हैं कि हिन्दी एक दिन विश्व भाषा बनकर रहेगी –

कोटि–कोटि कंठों की भाषा, जनमन की मुखरित अभिलाषा।
हिन्दी है पहचान हमारी, हिन्दी हम सबकी परिभाषा।।

Contents

S.No.		Page No.
	Members of Core Committee	i
	Objective of CBCS Curriculum in Hindi	ii
	Few words for CBCS Curriculum in Hindi	iii
	Contents	iv -v
	COURSE STUCTURE FOR UNDERGRADUATE 'HONOURS' PROGRAMME	
1	Distribution of 164 Credits	1
2	Course structure for B.Sc./ B.A./ B.Com.(Hons. Programme)	1
3	Semester wise Examination Structure for Mid Sem & End Sem Examinations	2
4	Subject Combinations allowed for B. A. Hons. Programme	3
5	Name of Generic papers in HINDI (For content see after core paper C14)	3
6	Generic Subject Papers for B. A. Hons. Programme	4
	SEMESTER I	
7	I. Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)	5
8	II. Generic Elective (GE 1A)	5
9	III. Generic Elective (GE 1B)	5
10	IV. Core Course –C 1	6
11	V. Core Course- C 2	7
	SEMESTER II	
12	I. Environmental Studies (EVS)	8
13	II. Generic Elective (GE 2A)	10
14	III. Generic Elective (GE 2B)	10
15	IV. Core Course –C 3	11
16	V. Core Course- C 4	12
	SEMESTER III	
17	I. Skill Enhancement Course (SEC 1)	13
18	II. Generic Elective (GE 3A)	19
19	III. Generic Elective (GE 3B)	19
20	III. Core Course –C 5	20
21	IV. Core Course- C 6	21
22	V. Core Course- C 7	22
	SEMESTER IV	
23	I. Skill Enhancement Course (SEC 2)	23
24	II. Generic Elective (GE 4A)	23
25	III. Generic Elective (GE 4B)	23
26	IV. Core Course –C 8	24
27	V. Core Course- C 9	25
28	VI. Core Course- C 10	26
	SEMESTER V	
29	I. Discipline Specific Elective (DSE 1)	27
30	II. Discipline Specific Elective (DSE 2)	29
31	III. Core Course –C 11	31
32	IV. Core Course- C 12	32
	SEMESTER VI	
33	I. Discipline Specific Elective (DSE 3)	33

34	II. Discipline Specific Elective (DSE 4)	35
35	III. Core Course –C 13	37
36	IV. Core Course- C 14	38
	GENERIC ELECTIVE FOR STUDENTS OF OTHER DISCIPLINE	
37	Semester I - Generic Elective (GE 1)	39
38	Semester II - Generic Elective (GE 2)	40
39	Semester III - Generic Elective (GE 3)	41
40	Semester IV - Generic Elective (GE 4)	42
	COURSES OF STUDY FOR ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE "**AECC**"	
41	English Communication [100 Marks]	43
42	Hindi Communication [100 Marks]	44
43	AECC Non-Hindi + Matri Bhasha [50 + 50 Marks]	45
	ANNEXURE	
44	Distribution of Credits Semester wise for Hons. Programme	47
45	Sample calculation for SGPA for B.Sc./B.A./B.Com Honors Programme	48
46	Sample calculation for CGPA for B.Sc./B.A./B.Com Honors Programme	48
	MARKS DISTRIBUTION FOR EXAMINATIONS AND FORMAT OF QUESTION PAPERS	
47	Marks Distribution of Mid & End Semester Theory Examinations	49
48	Marks Distribution of Practical Examinations	49
49	Format of Question Paper for Mid Sem Examination of 15 Marks	50
50	Format of Question Paper for Mid Sem Examination of 25 Marks	51
51	Format of Question Paper for End Sem Examination of AECC NH + MB of 50 Marks	52
52	Format of Question Paper for End Sem Examination of 60 Marks	53
53	Format of Question Paper for End Sem Examination of 75 Marks	54
54	Format of Question Paper for End Sem Examination of GE, SEC, General & AECC Hindi/ English Communication of 100 Marks	55

COURSE STUCTURE FOR UNDERGRADUATE **'HONOURS'** PROGRAMME

Table AI-1: Distribution of 164 Credits [*wherever there is a Practical there will be no tutorial and vice –versa.]

Course	Papers	Credits Theory + Practical	Credits Theory + Tutorial
I. Core Course	**(CC 1 to 14)**		
Theory	14 Papers	14X4=56	14X5=70
Practical/Tutorial*	14 Papers	14X2=28	14X1=14
II. Elective Course (EC)			
A. Discipline Specific Elective	**(DSE 1 to 4)**		
Theory	4 Papers	4X4=16	4X5=20
Practical/ Tutorial*	4 Papers	4X2=8	4X1=4
B. Generic Elective/ Interdisciplinary	**(GE 1 to 4)**		
Theory	4 Papers	4X4=16	4X5=20
Practical/ Tutorial*	4 papers	4X2=8	4X1=4
III. Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC)			
1. English/ Hindi Communication	1 Paper	1X2=2	1X2=2
2. Environmental Science	1 Paper	1x2=2	1x2=2
3. Skill Enhancement Course of the Core Course opted	**(SEC 1 & 2)** 2 Papers	2X2=4	2X2=4
		Total Credit = 140 + 24 =164	**140 + 24 = 164**

Note:

In the Academic Council Meeting of Ranchi University, Ranchi, held on 29.06.2019, it is resolved that Students will be offered **Two Generic Elective Subjects** (GE-A & GE-B) in C.B.C.S. U.G. Honours Courses of all streams, so that their 'Eligibility for Admission' in P.G., Vocational & Technical Courses in various Institutions is not hampered.

Table AI-1.1: Course structure for B.Sc./ B.A./ B.Com./B.Voc. (Hons. Programme)

Semester	Honours (Core Courses) 14 Papers	Allied (Elective Courses) 8 Papers	Ability Enhancement (Compulsory Courses) 4 Papers	Total Credits
Sem-I	C-1, C-2 (6+6=12 Credits)	GE-1A, GE-1B (6+6=12 Credits)	English Comm./ Hindi Comm. (02 Credits)	**26 Credits**
Sem-II	C-3, C-4 (6+6=12 Credits)	GE-2A, GE-2B (06 Credits)	EVS (02 Credits)	**26 Credits**
Sem-III	C-5, C-6, C-7 (6+6+6=18 Credits)	GE-3A, GE-3B (06 Credits)	SEC-1 (02 Credits)	**32 Credits**
Sem-IV	C-8, C-9, C-10 (6+6+6=18 Credits)	GE-4A, GE-4B (06 Credits)	SEC-2 (02 Credits)	**32 Credits**
Sem-V	C-11, C-12 (6+6=12 Credits)	DSE-1, DSE-2 (6+6=12 Credits)		**24 Credits**
Sem-VI	C-13, C-14 (6+6=12 Credits)	DSE-3, DSE-4 (6+6=12 Credits)		**24Credits**
				Total = 164 Credits

COURSES OF STUDY FOR UNDERGRADUATE 'B. A. Hons' PROGRAMME

Table AI-2 Subject Combinations allowed for B. A. Hons. Programme (164 Credits)

Honours/Core Subject CC 14 Papers	Discipline Specific Elective Subject DSES 4 Papers	Skill Enhancement Course SEC 2 Papers	Compulsory Course AECC 1+1=2 Papers
Hindi	Hindi Specific	SEC in Hindi	Language Communication + EVS

Table AI-2.1 Semester wise Examination Structure for Mid Sem & End Sem Examinations:

Sem	Core Honours, Allied DSE, Compulsory AECC Courses		Examination Structure		
	Code	Papers	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	C1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल) +T	25	75	---
	C2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल) +T	25	75	---
	GE1A	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	GE1B	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	AECC	Language Communication	---	100	---
II	C3	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) एवं रीतिकालीन कविता +T	25	75	---
	C4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) : भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग +T	25	75	---
	GE2A	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	GE2B	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	AECC	EVS	---	100	---
III	C5	छायावादोत्तर हिन्दी कविता +T	25	75	---
	C6	हिन्दी कथा साहित्य +T	25	75	---
	C7	हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएं +T	25	75	---
	GE3A	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	GE3B	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	SEC 1	रेडियो लेरबन	---	100	---
IV	C8	भाषा विज्ञान +T	25	75	---
	C9	हिन्दी भाषा और नागरी लिपि +T	25	75	---
	C10	प्रयोजनमूलक हिन्दी +T	25	75	---
	GE4A	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	GE4B	चुने गए विषय के पाठ्यक्रम से तालिका AI-2-3 देखें	---	100/ (75)	0/ (25)
	SEC 2	कार्यालयी हिन्दी +T		100	---
V	C11	भारतीय काव्यशास्त्र +T	25	75	---
	C12	पाश्चात्य काव्यशास्त्र +T	25	75	---
	DSE 1	सूरदास एवं तुलसीदास +T	25	75	---
	DSE 2	कबीर दास एवं सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' +T	25	75	---
VI	C13	हिन्दी समीक्षा +T	25	75	---
	C14	विश्वभाषा हिन्दी +T	25	75	---
	DSE 3	लोक साहित्य एवं हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा +T	25	75	---
	DSE 4	साहित्य के नये विमर्श एवं प्रेमचन्द +T	25	75	---

Table AI-2.2: Subject Combinations allowed for B. A. Generic Subjects:

S.No.	Note: Any Two Subjects may be opted as GE Subject but only One from S.No.1 and 10 will be allowed, if desired.		
1	Anthropology /	10	Bengali /
	Geography /		Urdu /
	Psychology /		Sanskrit /
	Home Science /		Ho /
2	History		Kharia /
3	Political Science		Khortha /
4	Sociology		Kurmali /
5	Economics		Kurux /
6	Philosophy		Mundari /
7	Mathematics		Nagpuri /
8	Hindi		Panch Pargania /
9	English		Santhali

Table AI-2.3 Semester wise Structure for End Sem Examinations of Generic Elective in Hindi:

Sem	Core Honours, Allied DSE, Compulsory AECC Courses		Examination Structure		
	Code	Papers	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	GE1	कला और साहित्य +T	---	100	---
II	GE2	अनुवाद +T	---	100	---
III	GE3	साहित्य और पत्रकारिता +T	---	100	---
IV	GE4	रचनात्मक लेखन की विधाएँ +T	---	100	---

Table AI-2.4 Generic Subject Papers for B. A. Hons. Programme (164 Credits);
All Four Papers of Any Two Allowed Subjects to be opted leaving aside the papers of Hons. Subject:

Generic Elective Subject **GE 4 Papers**	Generic Elective Courses for Arts Stream (GE will be other than Core Subject opted			
	Semester I **GE1**	Semester II **GE2**	Semester III **GE3**	Semester IV **GE4**
English	Academic Writing +T	Language & Linguistics +T	Literature: Poems & Short Stories +T	Language, Literature & Culture +T
Bengali	History of Bengali Literature +T	Bengali Poetry, Novel, Short Stories +T	Bengali Poetry, Drama, Short Stories +T	Bengali Poetry, Short Stories, Bengali Essay +T
Urdu	Study of Poet Nazir Akbarabadi +T	Study of Short Story Writer Prem Chand +T	Mass Media: Principles and Practice +T	Study of Short Story Writer +T
Sanskrit	संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास +T	भारतीय संस्कृति एवं राजनीति +T	आयुर्वेद की परम्परा +T	भाषाविज्ञान +T
Ho	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	हो समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Kharia	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	खड़िया समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Khortha	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	खोरठा समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Kurmali	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	कुरमाली समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Kurux	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	कुँड़ुख समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Mundari	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	मुण्डा समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Nagpuri	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	नागपुरी समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Panch Pargania	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	पंचपरगनिया समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Santhali	कला, साहित्य एवं संस्कृति +T	पारम्परिक वाद्य यंत्र +T	झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र +T	संताल समुदाय की नृत्य शैलियाँ +T
Geography	Geomorphology +**Lab**	Human Geography +**Lab**	Climatology +**Lab**	Economic Geography +**Lab**
History	Environmental Issues in India +**T**	Making of Contemporary India +**T**	History of West Asia +T	India and her Neighbours +**T**
Political Science	An Introduction to Political Theory +**T**	Indian Govt. and Politics +**T**	Comparative Govt. and Politics +T	Public Administration +T
Psychology	Introduction of psychology	Social psychology	Psychopathology	Psychological Statistics
Sociology	Indian Society and Culture +**T**	Social Movement in India +**T**	Sociology of Religion +T	Indian Sociological Theories +T
Economics	Principals of Microeconomics	Principals of Macroeconomics	Indian Economy	Money Banking, Public Finance & International Trade
Anthropology	Economic Anthropology +**Lab**	Political Anthropology +**Lab**	Anthropology of Religion +**Lab**	Linguistic Anthropology +**Lab**
Philosophy	Indian Philosophy-I +T	Indian Philosophy-II +T	Indian Ethics +T	Western Ethics +T
Home Science	Human Nutrition +**Lab**	Entrepreneurship for small Catering units +**Lab**	Current concerns in Public Health Nutrition +**Lab**	Care and Wellbeing in Human Development +**Lab**
Mathematics	Differential Calculus & Coordinate Geometry 2D +**T**	Integral Calculus, Vector Calculus & Trigonometry +**T**	Real Analysis-I, Group Theory & Differential Equations +T	Real Anaysis-II, Complex Variable, Set Theory & Matrices +T

SEMESTER I — 5 Papers

Total 100 x 5 = 500 Marks

I. ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC):

योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम : (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -02)

Any One Compulsory Language Communication Prescribed by Ranchi University:

English Communication/ Hindi Communication / NH + MB Communication

(Refer AECC Curriculum of Ranchi University)

II. GENERIC ELECTIVE (GE 1A) (Credits: Theory-06)

सामान्य वैकल्पिक –GE 1A: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -06)

प्रतिष्ठा विषय से अलग एक ही विषय के सभी चार पत्रों का विकल्प तालिका AI-2-2 से चयन किया जाय। पत्रों के नाम की सूची के लिए तालिका AI-2-4 एवं विवरण हेतु चुने गए विषय के पाठ्यक्रम देखें।

III. GENERIC ELECTIVE (GE 1B) (Credits: Theory-06)

सामान्य वैकल्पिक –GE 1B: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -06)

प्रतिष्ठा विषय एवं जेनेरिक विषय (GE-1A) से अलग विषय के सभी चार पत्रों का विकल्प तालिका AI-2-2 से चयन किया जाय। पत्रों के नाम की सूची के लिए तालिका AI-2-4 एवं विवरण हेतु चुने गए विषय के पाठ्यक्रम देखें।

IV. CORE COURSE –C 1: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 1: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल) सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई–1 हिन्दी मे साहित्येतिहास लखेन की परम्परा, साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख समस्याएँ, हिन्दी साहित्य मे काल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई –2 आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परम्परा तथा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

इकाई–3 आदिकाल के कवि – अमीर खुसरो, विद्यापति।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक –

C काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय
डॉ0 अरूण कुमार
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
- साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ0 मैनेजर पांडये
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य –उद्भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का आलाचेनात्क इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
- हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य की रूपरेखा : डॉ जयनारायण मंडल
- a हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुधेव सिहं
- हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ0 सभापति मिश्र
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 महेन्द्र किशोर
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 रणजीत सिंह

V. CORE COURSE- C 2:
कोर पाठ्यक्रम –C 2:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश
सत्र छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छ: में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छ: में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा मे पूछे गए प्रत्येक प्रश्न मे उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई–1 भक्ति आंदालेन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य का उद्भव एवं विकास, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ / विशेषताएं

इकाई –2 सतंकाव्य परम्परा, सूफी काव्य परम्परा, कबीर और जायसी।

इाकाई–3 कृष्णकाव्य परम्परा, राम काव्य परम्परा, सूरदास और तुलसीदास

कबीर, सूर, तुलसी, और रसखान की कविताएं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक –

- ☐ काव्य कुंज — संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
- ☐ हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह
- ☐ भक्तिकाव्य की भूमिका : डॉ0 प्रेमशंकर
- ☐ हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त
- ☐ निर्गुण काव्य दर्शन : सिद्धिनाथ तिवारी
- ☐ भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : डॉ0 मैनेजर पाणडेय
- C साहित्य और इतिहास : डॉ0 सुखदा पाण्डेय
- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
- ☐ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- ☐ आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- ☐ कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ☐ सूरदास : डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
- ☐ कबीर– एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
- u जायसी – एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
- ☐ जाससी : विजयदेव नारायण साही
- ☐ लोकवादी तुलसी : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
- ☐ मीरा का काव्य : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
- ☐ मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन : भगवान दास तिवारी

SEMESTER II **5 Papers**

Total 100 x 5 = 500 Marks

I. ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम : (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -02)

Marks : 100 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

Instruction to Question Setter for

End Semester Examination (ESE):

*There will be **objective type test** consisting of hundred questions of 1 mark each. Examinees are required to mark their answer on **OMR Sheet** provided by the University.*

ENVIRONMENT STUDIES

Theory: 30 Lectures

Unit 1 : Introduction to environmental studies

Multidisciplinary nature of environmental studies;
Scope and importance; Concept of sustainability and sustainable development.

(2 lectures)

Unit 2 : Ecosystems

What is an ecosystem? Structure and function of ecosystem; Energy flow in an ecosystem: food chains, food webs and ecological succession. Case studies of the following ecosystems :

Forest ecosystem
Grassland ecosystem
Desert ecosystem
Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

(2 lectures)

Unit 3 : Natural Resources : Renewable and Non--renewable Resources

Land resources and landuse change; Land degradation, soil erosion and desertification.
Deforestation: Causes and impacts due to mining, dam building on environment, forests, biodiversity and tribal populations.
Water : Use and over--exploitation of surface and ground water, floods, droughts, conflicts over water (international & inter--state).
Energy resources : Renewable and non renewable energy sources, use of alternate energy sources, growing energy needs, case studies.

(5 lectures)

Unit 4 : Biodiversity and Conservation

Levels of biological diversity : genetic, species and ecosystem diversity; Biogeographic zones of India; Biodiversity patterns and global biodiversity hot spots
India as a mega--biodiversity nation; Endangered and endemic species of India
Threats to biodiversity : Habitat loss, poaching of wildlife, man--wildlife conflicts, biological invasions; Conservation of biodiversity : In--situ and Ex--situ conservation of biodiversity.

Ecosystem and biodiversity services: Ecological, economic, social, ethical, aesthetic and Informational value.

(5 lectures)

Unit 5 : Environmental Pollution

Environmental pollution : types, causes, effects and controls; Air, water, soil and noise pollution

Nuclear hazards and human health risks

Solid waste management : Control measures of urban and industrial waste.

Pollution case studies.

(5 lectures)

Unit 6 : Environmental Policies & Practices

Climate change, global warming, ozone layer depletion, acid rain and impacts on human communities and agriculture

Environment Laws: Environment Protection Act; Air (Prevention & Control of Pollution) Act; Water (Prevention and control of Pollution) Act; Wildlife Protection Act; Forest Conservation Act. International agreements: Montreal and Kyoto protocols and Convention on Biological Diversity (CBD).

Nature reserves, tribal populations and rights, and human wildlife conflicts in Indian context.

(4 lectures)

Unit 7 : Human Communities and the Environment

Human population growth: Impacts on environment, human health and welfare.

Resettlement and rehabilitation of project affected persons; case studies.

Disaster management : floods, earthquake, cyclones and landslides.

Environmental movements : Chipko, Silent valley, Bishnois of Rajasthan.

Environmental ethics: Role of Indian and other religions and cultures in environmental conservation.

Environmental communication and public awareness, case studies (e.g., CNG vehicles in Delhi).

(3 lectures)

Unit 8 : Field work

Visit to an area to document environmental assets: river/ forest/ flora/fauna, etc.

Visit to a local polluted site--Urban/Rural/Industrial/Agricultural.

Study of common plants, insects, birds and basic principles of identification.

Study of simple ecosystems--pond, river, Delhi Ridge, etc.

(Equal to 4 lectures)

Suggested Readings:

- Raziuddin, M.., Mishra P.K. 2014, *A Handbook of Environmental Studies*, Akanaksha Publications, Ranchi.
- Mukherjee, B. 2011: *Fundamentals of Environmental Biology*.Silverline Publications, Allahabad.
- Carson, R. 2002. *Silent Spring*. Houghton Mifflin Harcourt.
- Gadgil, M., & Guha, R.1993. *This Fissured Land: An Ecological History of India*. Univ. of California Press.
- Gleeson, B. and Low, N. (eds.) 1999.*Global Ethics and Environment*, London, Routledge.
- Gleick, P. H. 1993. *Water in Crisis*. Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute, Oxford Univ. Press.
- H Groom, Martha J., Gary K. Meffe, and Carl Ronald Carroll.*Principles of Conservation Biology*. Sunderland: Sinauer Associates, 2006.
- Grumbine, R. Edward, and Pandit, M.K. 2013. Threats from India's Himalaya dams. *Science*, 339: 36---37.
- McCully, P. 1996. *Rivers no more: the environmental effects of dams*(pp. 29---64). Zed Books.
- McNeill, John R. 2000. Something New Under the Sun: An Environmental History of the Twentieth Century.
- Odum, E.P., Odum, H.T. & Andrews, J. 1971.*Fundamentals of Ecology*. Philadelphia: Saunders.
- Pepper, I.L., Gerba, C.P. & Brusseau, M.L. 2011. Environmental and Pollution Science. Academic Press.
- Rao, M.N. & Datta, A.K. 1987. *Waste Water Treatment*. Oxford and IBH Publishing Co. Pvt. Ltd.
- Raven, P.H., Hassenzahl, D.M. & Berg, L.R. 2012.*Environment*. 8th edition. John Wiley & Sons.
- Rosencranz, A., Divan, S., & Noble, M. L. 2001. *Environmental law and policy in India. Tripathi 1992.*
- Sengupta, R. 2003. *Ecology and economics*: An approach to sustainable development. OUP.
- Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014. *Ecology, Environmental Science and Conservation*. S. Chand Publishing, New Delhi.
- Sodhi, N.S., Gibson, L. & Raven, P.H. (eds). 2013. *Conservation Biology*: *Voices from the Tropics*. John Wiley & Sons.
- Thapar, V. 1998. *Land of the Tiger*: *A Natural History of the Indian Subcontinent*.
- Warren, C. E. 1971. *Biology and Water Pollution Control*. WB Saunders.
- Wilson, E. O. 2006.*The Creation: An appeal to save life on earth*. New York: Norton.
- World Commission on Environment and Development. 1987. *Our Common Future*. Oxford University

---

II. GENERIC ELECTIVE (GE 2A): (Credits: Theory-06)
सामान्य वैकल्पिक –GE 2A: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -06)

प्रथम जेनेरिक विषय के GE-B पत्र का नाम तालिका AI-2-4 से देखा जाय एवं विवरण हेतु चुने गए विषय के पाठ्यक्रम देखें।

III. GENERIC ELECTIVE (GE 2B): (Credits: Theory-06)
सामान्य वैकल्पिक –GE 2B: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -06)

द्वितीय जेनेरिक विषय के GE-B पत्र का नाम तालिका AI-2-4 से देखा जाय एवं विवरण हेतु चुने गए विषय के पाठ्यक्रम देखें।

IV. CORE COURSE -C 3:
कोर पाठ्यक्रम –C 3:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) एवं रीतिकालीन कविता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 रीतिकाल का नामकरण और काल सीमा, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ।

इकाई –2 रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा।

इकाई –3 रीतिकाल के कवि –चिन्तामणि, मतिराम, बिहारी, घनान्द, पद्माकर भूषण की कविताएं

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

- ☐ स्वर्ण मंजूषा संपादक– नलिनविलोचन शर्मा, केशरी कुमार

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- ☐ हिन्दी रीतिकाव्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र
- ☐ रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
- ☐ बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ0 बच्चन सिंह
- ☐ बिहारी सतसई संजीवनी भाष्य : पदम सिंह शर्मा
- ☐ बिहारी बोधिनी : लाला भगवान दीन
- ☐ बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर
- ☐ रीतिकाव्य का नया मूल्यांकन : डॉ0 जगदीश्वर प्रसाद
- ☐ बिहारी सार्धशती : डॉ0 ओमप्रकाश
- ☐ बिहारी भाष्य : प्रोफेसर वकील सिंह
- ☐ घनान्द का काव्य : डॉ0 रामदेव शुक्ल

V. CORE COURSE -C 4:
कोर पाठ्यक्रम –C 4:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश
मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :
प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) : भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 आधुनिक काल की पीठिका, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु का योगदान, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण।

इकाई –2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी उपन्यास और कहानी की परम्परा, हिन्दी एकांकी और नाटक की परंपरा, हिन्दी समीक्षा/आलोचना का उद्भव और विकास।

इकाई –3 आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद का स्वरूप और विशेषताएं, और उसके बाद की हिन्दी कविता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

- ☐ पथिक – : पं0 रामनरेश त्रिपाठी
- ☐ काव्य वीथि – सिंह : स0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार
- 1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : सवैया और कवित।
- ☐ मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा।
- 1 जयशंकर प्रसाद : भारत–महिमा,अरूण यह मधुमय देश हमारा, बीती विभावरी जाग री।
- ☐ निराला : भारती वंदना, मौन रही हार, तोड़ती पत्थर, हारता है मेरा मन।
- u सुमित्रानंदन पंत : सुख–दुख, नौका विहार, ताज, हिमाद्रि।
- ☐ महादेवी वर्मा : विरह का जलजात जीवन, जो न प्रिय पहिचान पाती, सजल है कितना सवेरा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
- ☐ कविता के नए प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह
- ☐ छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
- ☐ आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- ☐ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- ☐ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
- ☐ आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- ☐ भारतेन्दु हरिशचन्द्र : डॉ0 रामविलास शर्मा
- ☐ समकालीन हिन्दी कविता : डॉ0 ए. अरविन्दाक्षन
- ☐ कवि की नई दुनिया : डॉ0 शंभुनाथ
- ☐ पथिक सौंदर्य और समीक्षा : डॉ जंग बहादुर पाण्डेय

SEMESTER III

I. SKILL ENHANCEMENT COURSE SEC 1:

कौषल विकास पाठ्यचर्या– SEC 1:

Total 100 x 1 = 100 Marks
(Credits: Theory-02)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक–02)

Marks: 100 (ESE: 3 Hrs) = 100	**Pass Marks Th ESE = 40**

रेडियो लेखन–

इकाई–1 श्रव्य माध्यम, के रूप में रेडियो लेखन का महत्व, दृश्य माध्यम के रूप में टेलीवेजन का महत्व।

इकाई–2 रेडियो वार्ता, रेडियो नाटक, रेडियो साक्षात्कार, अन्य विधाएँ।

इकाई–3 प्रायोगिक कार्य।

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. रेडियो वार्ताशिल्प : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
2. रेडियो नाटक की कला : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
3. श्रव्य दृश्य माध्यम लेखन : डॉ0 राजेन्द्र मिश्र
4. रचनात्मक लेखन : डॉ0 रमेश गौतम
5. श्रव्य दृश्य माध्यम : डॉ0 गौरी शंकर रैना
6. रेडियो नाटक लेखन : डॉ0 उषा सक्सेना

निर्देश:

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न होंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (15x4=60)
3. लघुतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में दो प्रश्न (10x2=20) अंको में विभक्त होंगे।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें 10x1=10

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

IV. CORE COURSE -C 5:
कोर पाठ्यक्रम –C 5:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नई कविता : उद्भव, विकास, प्रवृत्तियां एवं समान्य परिचय

निर्धारित कविताएँ :

1. दिनकर – वनफूलों की ओर, हिमालय का संदेश, मनुज का श्रेय।
2. अज्ञेय – कालगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ
3. नागार्जुन – 26 जनवरी, 15 अगस्त, स्वदेशी शासक।
4. धूमिल – लोहे का स्वाद, मोचीराम, मैं हूँ।
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – नया वर्ष फिर आया, लीक पर वे चलें, युद्ध–स्थिति।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:

- काव्य वीथि – सं0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :–

- दिनकर : डॉ0 सावित्री सिन्हा (संपादक)
- अर्धनारीश्वर दिनकर : डॉ0 कुमार विमल
- दिनकर की साहित्य साधना : डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
- दिनकर चिंतन– अनुचिंतन : डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
- अज्ञेय का कवि कर्म : रमेश चन्द्र शाह
- अज्ञेय का संसार : अशोक वाजपेयी
- कविता की मुक्ति : डॉ0 नंदकिशोर नवल
- धूमिल का काव्य : डॉ0 चन्द्रभानु सोनवणे
- स्वातंत्र्योत्तर कविता के पंचरत्न : डॉ0 लक्ष्मी सिंह

V. CORE COURSE -C 6:
कोर पाठ्यक्रम –C 6:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी कथा साहित्य

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

हिन्दी कथा साहित्य – हिन्दी कहानी, उपन्यास, का उद्भव और विकास एवं हिन्दी के विविध कहानी आंदोलन।

निर्धारितपाठ्य **पुस्तकें** :

- ☐ गबन : प्रेमचन्द
- ☐ रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल
- ☐ कथा कुंज : डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरा नन्दन प्रसाद, डॉ0 रामेश्वर साहु
- ☐ कफ़न : प्रेमचन्द
- ☐ उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
- ☐ आकाश दीप : जयशंकर प्रसाद
- ☐ ताई : विशम्भर नाथ शर्मा कौशिक
- ☐ कारवां का व्रत : यशपाल
- ☐ पत्नी : जैनेन्द्र कुमार
- ☐ तीसरी कसम : फणीश्वर नाथ रेणु
- ☐ शरणदाता : अज्ञेय
- ☐ वापसी : उषा प्रियंवदा
- ☐ दिल्ली में एक मौत : कमलेश्वर
- r परिन्दे : निर्मल वर्मा

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ0 मधुरेश
- ☐ हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ0 गोपाल राय
- ☐ हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : डॉ0 वेदप्रकाश अमिताभ
- ☐ हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : डॉ0 दीनानाथ सिंह
- ☐ रागदरबारी का महत्व : डॉ0 मधुरेश (संपादित)
- ☐ रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)

VI. CORE COURSE -C 7:
कोर पाठ्यक्रम –C 7:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएं

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाए

निर्धारितपुस्तकें :–

- भारत–दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द
- निबंध कुंज : सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय , डॉ हीरा नंन्दन प्रसाद, डॉ0 नरेन्द्र झा
- साहित्य की महत्ता : महावीर प्रसाद द्विवेदी
- कविता क्या है ? : रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं? : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा
- सदाचार का ताबीज : हरिशंकर परसाई
- लाल कनेर के फूल : धर्मवीर भारती
- उद्यम और मनोरथ : पं छविनाथ पाण्डेय
- गेहुं और गुलाब : रामवृक्ष बेणीपुरी
- राष्ट्र का स्वरूप : डॉ0 वासुदवे शरण अग्रवाल
- तुम कब जाओगे अतिथि : शरद जोशी
- सच्ची वीरता : सरदार पूर्ण सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :–

- भारत दुर्दशा – संवेदना और शिल्प : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
- भारत दुर्दशा का नया मूल्यांकन : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय (संपादित)
- भारतेन्दु हरिशचन्द : डॉ0 रामविलास शर्मा
- भारतेन्दु के नाटक : डॉ0 भानुदेव शुक्ल
- गद्य की नई विद्याओं का विकास : डॉ0 काजदा असर
- साहित्यिक विधाएँ –पुनर्विचार : डॉ0 हरिमोहन
- हिन्दी की नई विधाएँ : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया

17/05/2021 17.5.21 17.5.21 17/5/21 17-05-21

Semester IV
SEC - 2

कौशल विकास पाठ्यचर्या

(Skill Enhancement Course)

क्रेडिट - 2

Marks : 100 (ESE 3 Hrs) = 100

Pass Marks th ESE = 40

इकाई–1 कार्यालय में हिन्दी प्रयुक्ति का महत्त्व, कार्यालयी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण।

इकाई–2 कार्यालयी हिन्दी की अन्य प्रयुक्तियाँ – ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना विज्ञापन, निविदा, पृष्ठांकन।

इकाई–3 कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियों का अभ्यास, पत्राचार लेखन।

अनुशांसित पुस्तकें:–

1.	कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग	:	डॉ0 गोपीनाथ श्रीवास्तव
2.	कार्यालयीन हिन्दी	:	डॉ0 किशोरीलाल वर्मा
3.	अनुप्रयुक्त राजभाषा	:	डॉ0 मणिक मृगेश
4.	प्रशासनिक हिन्दी	:	डॉ0 पी0 पी0 आंडाल
5.	राजभाषा हिन्दी	:	डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
6.	राजभाषा हिन्दी	:	डॉ0 इकबाल अहमद
7.	प्रयोजनमूलयक हिन्दी	:	डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
8.	व्यावहारिक हिन्दी	:	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
9.	कार्यालयी हिन्दी	:	डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी अभिषेक अवतंस
10.	राजभाषा संकल्प	:	डॉ0 मधु भारद्वाज
11.	पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएँ	:	डॉ0 भोलानाथ तिवारी

निर्देश:–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न होगें जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है। (15x4=60)
3. लधूतरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नो की स्थिति में दो प्रश्न (10x2=20) अंको में विभक्त होगें।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे– 10x2=20

प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य होंगे।

17.5.21 17.5.21 17.5.21 17/5/21 17-05-21 17/05/2021

IV. CORE COURSE -C 8:
कोर पाठ्यक्रम –C 8:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमे दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

भाषा विज्ञान

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15

व्याख्यान

इकाई–1 भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ/विशेषताएं, भाषा के अंग, भाषा और बोली में अंतर, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषा अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई–2 भाषाविज्ञान की शाखाएँ, ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन, पद और वाक्य, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास,लिपि का महत्त्व।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
- राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
- भाषा विज्ञान की रूपरेखा : डॉ0 हरीश शर्मा
- भाषा विज्ञान और भाषा के सिद्धांत : डॉ0 जितराम पाठक
- आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा
- भाषा विमर्श : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
- u हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 गोपाल राय
- सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
- हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी विकास उद्भव और रूप : डॉ0 हरदेव बाहरी
- रूप विज्ञान सिद्धान्त और विनियोग : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
- हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
- t भाषा साहित्य और इतिहास : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 देवेन्द्र प्र0 सिंह डॉ0 जितेन्द्र वत्स
- हिंदी भाषानुशासन : डॉ0 रामदेव त्रिपाठी
- नागपुरी भाषा और उसके वृहत्तत्रयी : डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी
- ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं : डॉ0 बलराम तिवारी
- हिंदी शब्द समूह. शब्द प्रयोग : डॉ0 नरेश मिश्र
- हिंदी भाषा के विकसित ध्वनि वर्ण : डॉ0 रामदेव प्रसाद
- व्युत्पत्ति विज्ञान सिद्धांत और विनियोग : डॉ0 ब्रजमोहन पांडेय नलिन

V. CORE COURSE -C 9:
कोर पाठ्यक्रम –C 9:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी भाषा और नागरी लिपि

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी की बोलियाँ, राष्ट्रभाषा हिन्दी, राजभाषा हिन्दी, विश्व भाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर।

इकाई –2 नागरी लिपि का विकास, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, नागरी लिपि की समस्याएँ, नागरी लिपि में सुधार।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी भाषा का विकास : देवेन्द्र नाथ शर्मा
- हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : देवेन्द्र नाथ शर्मा
- हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास : डॉ0 अवधेश्वर अरूण
- देवनागरी लिपि और राजभाषा हिन्दी : डॉ0 रमेशचन्द्र
- t हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ0 नरेश मिश्र
- हिन्दी और उसकी बोलियाँ : डॉ0 शम्भुनाथ राणा
- भाषा विमर्श : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
- हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 गोपाल राय
- t सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
- हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी विकास उद्भव और रूप : डॉ0 हरदेव बाहरी
- रूप विज्ञान सिद्धान्त और विनियोग : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
- हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
- भाषा साहित्य और इतिहास : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 देवेन्द्र प्र0 सिंह डॉ0 जितेन्द्र वत्स
- हिंदी भाषानुशासन : डॉ0 रामदेव त्रिपाठी
- नागपुरी भाषा और उसके वृहत्तत्रयी : डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी
- ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं : डॉ0 बलराम तिवारी
- हिंदी शब्द समूह, शब्द प्रयोग : डॉ0 नरेश मिश्र
- हिंदी भाषा के विकसित ध्वनि वर्ण : डॉ0 रामदेव प्रसाद
- व्युत्पत्ति विज्ञान सिद्धांत और विनियोग : डॉ0 ब्रजमोहन पांडेय नलिन

VI. CORE COURSE -C 10:
कोर पाठ्यक्रम –C 10:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

प्रयोजनमूलक हिन्दी

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15

व्याख्यान

इकाई –1 प्रयोजनमूलक भाषा क्या है? भाषा प्रयुक्ति के विविध रूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न दिशाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता।

इकाई –2 प्रशासनिक हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, जनसंचार माध्यमों की हिन्दी, तकनीक हिन्दी, संविधान में हिन्दी की स्थिति, राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा और दिशा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- h प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
- ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 कुमल कुमार बोस
- ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 मुश्ताक अहमद
- ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 दंगल झाल्टे
- ☐ व्यवहारिक हिंदी : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
- ☐ हिंदी संक्षेपण, पल्लवण और पाठबोधन : डॉ0 हरदेव बाहरी
- ☐ भारत सरकार की राजभाषा नीति : डा0 अरविन्द कुलश्रेष्ठ
- ☐ हिंदी वर्तनी का व्यावहारिक उपयोग : डॉ0 हरिवंश तरूण
- ☐ आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : डॉ0 वासुदेवनंदन प्रसाद
- ☐ प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 रामगोपाल सिंह
- ☐ प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद : डॉ0 रामगोपाल सिंह
- ☐ व्यावसायिक हिंदी : डॉ0 दिलीप सिंह
- ☐ राजभाषा संकल्प : डॉ0 मधु भारद्वाज
- ☐ प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : डॉ0 माया सिंह, डॉ0 सिद्धेश्वर काश्यप
- ☐ प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन : डॉ0 सुशीला गुप्ता
- ☐ प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
- ☐ वृहत्त व्याकरण भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
- ☐ प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 गुलाममोइनदीन खान

SEMESTER V — 4 Papers

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. HINDI SPECIFIC (DSE 1): (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 1): (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

सूरदास एवं तुलसीदास

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

सूरदास

इकाई– 1 सूरदास – जीवन और रचना संसार।

इकाई– 2 भ्रमरगीत सार (पद 1 से 21 तक)

तुलसीदास

इकाई– 1 तुलसीदास – जीवन और दर्शन।

इकाई– 2 तुलसीदास का रचना संसार।

इकाई– 3 रामचरितमानस (केवल सुंदरकांड)

निर्धारित पुस्तकें –

सूरदास

- ☐ भ्रमरगीत सार– : सं0 रामचन्द्र शुक्ल

तुलसीदास

- ☐ तुलसीदास– : सं0 रामचन्द्र शुक्ल

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ भ्रमरगीत सार : सं0 रामचन्द्र शुक्ल
- ☐ सूरसागर : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
- ☐ कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश
- ☐ कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ☐ कबीर की कविता और उनका समय : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
- ☐ अकथ कहानी प्रेम की : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
- ☐ सूर साहित्य : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ☐ हिन्दी भक्तिकाव्य और सूरदास : डॉ0 किशोरीलाल
- ☐ सूर की काव्य चेतना : डॉ0 बलराम तिवारी
- ☐ तुलसी के भक्त्यात्मक गीत : डॉ0 वचनदेव कुमार
- ☐ तुलसी विविध संदर्भों में : डॉ0 वचनदेव कुमार
- ☐ तुलसी : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी (संपादित)
- ☐ तुलसी दर्शन मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह
- ☐ लोकवादी तुलसी दास : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी

Approved 17.5.21

II. HINDI SPECIFIC (DSE 2):
अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 2):

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

कबीर दास एवं सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

सैद्धान्तिक: **75** व्याख्यान , अभ्यास : **15** व्याख्यान

कबीर दास –

इकाई– 1 कबीर – जीवन और रचना संसार। K.T.

इकाई– 2 कबीर (पद 1 से 21 तक) K.U.

सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई– 1 निराला– जीवन और रचना संसार।

इकाई– 2 निराला की कविताएं

– सखि, वसन्त आया, जुही की कली, जागो फिर एक बार, बादल–राग,
वर दे वीणावादिनी वर दे, भारती जय विजय करे, तोड़ती पत्थर,
मौन रही हार, स्नेह–निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकार।

निर्धारित पुस्तकें –

कबीर दास
- कबीर – : आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- रागविराग – : डॉ0 रामविलास शर्मा

17.5.21 17.5.21 17/5/21 17-05-21 17/05/2021

अनुशंसित पुस्तकें :—

- कबीर : डॉ0 श्यामसुंदर दास
- कबीर— एक नई दृष्टि : रघुवंश
- कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर की कविता और उनका समय : डॉ0 पुरुषोत्तम अग्रवाल
- अकथ कहानी प्रेम की : डॉ0 पुरुषोत्तम अग्रवाल
- कबीर ग्रंथावली (सटीक) : डॉ0 रामकिशोर शर्मा
- निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा
- महाकवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह
- निराला के उपन्यास : डॉ0 सूर्य प्रकाश दीक्षित
- निराला आलोचकों की दृष्टि में : डॉ0 बचनदेव कुमार
- निराला की गद्यभाषा : डॉ0 किरण कुमारी
- निराला—साहित्य में सामाजिक चेतना : डॉ0 प्रमिला कुमारी

III. CORE COURSE -C 11:
कोर पाठ्यक्रम –C 11:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

भारतीय काव्यशास्त्र

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15

व्याख्यान

इकाई –1 काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य की आत्मा, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु।

इकाई –2 काव्य गुण, काव्य दोष, रस और उसक भेद, अलंकार की परिभाषा, अलंकारों का महत्व, ध्वनि।

इकाई –3 चयनित अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उमपा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति, दीपक, संकर, विभावना, विशेषोक्ति।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- अलंकार मुकतावली : देवेन्द्र नाथ शर्मा
- काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
- काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णा रैना
- वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- भारतीय काव्य चिंतन : डॉ0 शोभाकान्त मिश्र
- काव्य के तत्व : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
- काव्य प्रवृत्तियां भारतीय और पाश्चात्य : डॉ0 दीनानाथ सिंह
- भारतीय एवं पाश्चातय काव्यशास्त्र : डॉ0 सभापति मिश्र
- काव्यशास्त्र निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
- अलंकार प्रकाश : डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
- रस मीमांसा : आ0 रामचन्द्र शुक्ल

IV. CORE COURSE -C 12:
कोर पाठ्यक्रम –C 12:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15

व्याख्यान

इकाई –1 प्लेटो की काव्य धारणा, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइन्स की उदात्त धारणा, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

इकाई –2 आई0 ए0 रिचर्ड्स की मान्याताएं, टी. एस. इलियट की अवधारणाएँ, सम्प्रेषण, मनोविश्लेषण, बिम्ब, प्रतीक, मिथक सम्बन्धी विचारधाराएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
- ☐ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 निर्मल जैन
- ☐ वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- ☐ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 सत्यदेव मिश्र
- ☐ पाश्चात्य काव्यदर्शन : डॉ0 शंकर मुनि राय
- ☐ पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ0 करूणा शंकर उपाध्याय।
- ☐ काव्य प्रवृत्तियां भारतीय और पाश्चात्य : डॉ0 दीनानाथ सिंह
- ☐ भारतीय एवं पाश्चातय काव्यशास्त्र : डॉ0 सभापति मिश्र
- ☐ काव्यशास्त्र निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
- ☐ अलंकार प्रकाश : डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
- ☐ रस मीमांसा : आ0 रामचन्द्र शुक्ल
- ☐ काव्यशास्त्र के विविध सोपान : डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी

SEMESTER VI **4 Papers**

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. HINDI SPECIFIC (DSE 3): (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 3): (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

लोक साहित्य एवं हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

सैद्धान्तिक: **75** व्याख्यान , अभ्यास : **15** व्याख्यान

लोक साहित्य

इकाई– 1 लोकसाहित्य के परिभाषा एवं स्वरूप, लोकसंस्कृति अवधारणा, लोकसाहित्य और संस्कृति, लोकसाहित्य के संकलन की समस्याएं।

इकाई – 2 लोकसाहित्य के प्रमुख रूप, लोकगीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोकगाथा, लाकोक्ति।

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई– 1 मैथिलीशरण गुप्त, सियाराम शरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सोहनलाल द्विवेदी का जीवनवृत्त एवं रचना संसार।

इकाई– 2 रामधारी सिंह दिनकर, श्यामनारायण पाण्डेय, सुभद्रा कुमारी चौहान का जीवन वृत्त और रचना संसार।

उपर्युक्त कवियों की चुनी हुई प्रतिनिधि राष्ट्रीय कविताएं।

निर्धारित पुस्तक –

1 हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : सं0 डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद

अनुशंसित पुस्तकें :–

लोक साहित्य

- ☐ लोक साहित्य की भूमिका : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
- ☐ लोक साहित्य और विविध आयाम एवं नई दृष्टि : डॉ0 जयश्री गावीत
- ☐ लोकसाहित्य : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 श्रीराम शर्मा
- ☐ लोकसाहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र
- ☐ लोकसाहित्य के सिद्धान्त औरभोजपुरी लेखन : डॉ0 आद्याप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

- ☐ मैथिलीशरण गुप्त एक पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 नगेन्द्र
- ☐ गुप्त जी की काव्य साधना : डॉ0उमा कान्त
- ☐ सियाराम शरण गुप्त व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ0 शिव प्रसाद मिश्र
- ☐ डॉ0 सियाराम शरण गुप्त : डॉ0 नगेन्द्र
- ☐ मैथिली शरण गुप्त के साहित्य का सांस्कृति अध्ययन : डॉ0 मुन्नीलाल जायसवाल
- ☐ दिनकर की साहित्य साधना : डॉ0 सतीश कुमार राय
- ☐ दिनकर : चिन्तन–अनुचिन्तन : सं0 डॉ0 सतीश कुमार राय
- ☐ दिनकर का गद्य साहित्य : डॉ0 प्रेमनाथ उपाध्याय
- ☐ युगचारण दिनकर : सं0 डॉ0 सावित्री सिन्हा
- ☐ संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
- ☐ श्यामनारायण पाण्डेय की साहित्य साधना : डॉ0 राम सिंहासन प्रसाद शर्मा
- ☐ माखनलाल एक अध्ययन : श्री नर्मदा प्रसाद खरे, श्री इन्द्र बहादुर खरे
- ☐ माखनलाल चतुर्वेदी : श्री रामाधर शर्मा
- ☐ आधुनिक कवि (17) : श्यामनारायण पाण्डेय
- ☐ मिला तेज से तेज : सुधा चौहान)

II. HINDI SPECIFIC (DSE 4):
अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 4):

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

साहित्य के नये विमर्श एवं प्रेमचन्द

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

साहित्य के नये विमर्श

इकाई – 1 अस्मिता केन्द्रित विमर्श की अनिवार्यता, हिन्दी में अस्मिता केन्द्रित विमर्श का स्वरूप
हिन्दी में दलित विमर्श, हिन्दी में नारी विमर्श, हिन्दी में जनजातीय विमर्श,
हिन्दी में स्त्री लेखन की परंपरा और विकास, स्त्री आत्मकथा का वैशिष्ट्य।

इकाई –2 हिन्दी में बाल विमर्श, हिन्दी में वृद्ध विमर्श, हिन्दी में विकलांग विमर्श,
हिन्दी के प्रमुख दलित लेखक, अस्मिता केन्द्रित विमर्श का भविष्य।

इकाई–3 दलित आत्मकथाएं –

जूठन	: ओम प्रकाश वाल्मीकि
मुर्दहिया	: तुलसी राम
एक कहानी यह भी	: मन्नू भंडारी

प्रेमचन्द

इकाई –1 प्रेमचन्द का जीवन वृत एवं रचना संसार।

इकाई –2 प्रेमचन्द के उपन्यासों का वैशिष्ट्य, प्रेमचन्द का कहानियों का वैशिष्ट्य।

इकाई –3 प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ –
पंच–परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, वैर का अंत, आत्माराम, सुहाग की साड़ी, सद्गति, प्रेरणा, प्रारब्ध।

पाठ्य पुस्तक :–

निर्मला	: प्रेमचन्द
प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ	: सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद, डॉ0 नीरज कुमार

अनुशंसित पुस्तकें :–

साहित्य के नये विमर्श

- ☐ स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास : संजय गर्ग (संपादित)
- ☐ स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा : डॉ0 अनामिका
- ☐ स्त्री मुक्ति– संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
- ☐ आदिवासी अस्मिता का संकट : रमणिका गुप्ता
- ☐ आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
- ☐ विमर्श के प्रसंग : डॉ0 संपदा पांडेय
- ☐ विमर्श के विविध आयाम : डॉ0 अर्जुन चह्वाण
- ☐ दलित साहित्य – अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ : डॉ0 आमप्रकाश वाल्मिकि
- ☐ दलित चेतना की पहचान : डॉ0 सूर्यनारायण रणसुभे

प्रेमचन्द

- ☐ गोदानः अध्ययन की समस्याएं : डॉ0 गोपाल राय
- ☐ गोदान गवेषणा : कपिलदेव सिंह,पद्मनारायण,निशांत केतु
- ☐ गोदानः संवेदना और शिल्प : डॉ0 चन्द्रेश्वर कर्ण
- ☐ गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
- ☐ गोदान का महत्व : डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र
- ☐ पत्रकार प्रेमचन्द और हंस : डॉ0 रत्नाकर पाण्डेय
- ☐ प्रेमचंद विमर्श : डॉ0 सतीश कुमार राय
- ☐ प्रेमचन्द अध्ययन की नयी दिशाएं : डॉ0 कमल किशोर गोयनका
- ☐ प्रेमचन्द और शतरंज के खिलाड़ी : डॉ0 कमल किशोर गोयनका, डॉ0 लोठार लुत्से
- ☐ प्रेमचन्द के उपन्यासों के गौण पात्र : डॉ0 कुमारी मनीषा
- ☐ प्रेमचन्द की कालजयी कहानियाँ : डॉ0 पुष्पलता कुमारी

III. CORE COURSE -C 13:
कोर पाठ्यक्रम –C 13:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी समीक्षा

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 हिन्दी समीक्षा का उद्भव और विकास, हिन्दी में शास्त्रीय समीक्षा, हिन्दी में स्वच्छन्दतावादी समीक्षा, हिन्दी में मार्क्सवादी समीक्षा।

इकाई –2 राचन्द्र शुक्ल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलासशर्मा, डॉ0 नामवर सिंह का योगदान।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
- ☐ हिन्दी आलोचना का विकास : डॉ0 नंदकिशोर नवल
- ☐ वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- ☐ हिन्दी आलोचना – बीसवीं शताब्दी : डॉ0 रेवती रमण
- ☐ हिन्दी आलोचना – समकालीन परिदृश्य : डॉ0 कृष्णादत्त पालीवाल
- ☐ हिन्दी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।
- ☐ हिंदी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह
- ☐ काव्य निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

IV. CORE COURSE -C 14:
कोर पाठ्यक्रम –C 14:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

विश्वभाषा हिन्दी

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर हिन्दी, विश्वभाषा की शर्तें, संसार की भाषाओं के बीच हिन्दी की स्थिति, विश्वभाषा के रूप में हिन्दी की प्रगति।

इकाई –2 भूमण्डलीकरण का महत्त्व, भाषिक भूमण्डलीकरण की आवश्यकता, हिन्दी भाषा का भूमण्डलीकरण, हिन्दी का वैश्विक भविष्य, हिन्दी की दशा एवं दिशा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- ☐ हिन्दी अतीत से आज तक : डॉ0 विजय अग्रवाल
- ☐ भूमण्डलीकरण और हिन्दी : डॉ0 माणिक मृगेश
- ☐ हिन्दी भाषा का भूमण्डलीकरण : डॉ0 सुषम बेदी
- ☐ विश्व बाजार में हिन्दी : डॉ0 महीपाल सिंह
- ☐ भाषाई अस्मिता और हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- ☐ विश्वपटल पर हिन्दी : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ☐ भूमंडलीकरण का अमानवीय चेहरा : डॉ0 प्रभा दीक्षित

COURSES OF STUDY FOR **GENERIC ELECTIVE 'B. A. Hons'** PROGRAMME IN

"HINDI"

SEMESTER I **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

I. GENERIC ELECTIVE (GE 1)

सामान्यीकृत चयन –GE 1:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

- All Four Generic Papers (One paper to be studied in each semester) of Hindi to be studied by the Students of **Other than Hindi Honours.**
- Students of **Hindi Honours** must Refer Content from the **Syllabus of Opted Generic Elective Subject.**

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

कला और साहित्य

सैद्धान्तिक: **75** व्याख्यान , अभ्यास : **15** व्याख्यान

इकाई –1 कला की अवधारणा, कला और साहित्य के अंतःसंबंध, भारतीय कला।

इकाई –2 कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परंपरा, लोक कला और साहित्य, साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व, भारतीय नाट्य कला।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुंदर दास
- कला : हंस कुमार तिवारी
- कला विवेचन : डॉ0 कुमार विमल
- झारखण्ड का हिन्दी साहित्य : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- कृति संस्कृति के शब्द : विद्याभूषण
- झारखण्ड की भाषाओं का नाट्य साहित्य : डॉ0 कमल कुमार बोस
- हिन्दी कथा साहित्य और झारखण्ड : डॉ0 अनामिका प्रिया

SEMESTER II **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

II. GENERIC ELECTIVE (GE 2)
सामान्यीकृत चयन –GE 2:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

अनुवाद

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 अनुवाद क्या है ? अनुवाद के प्रभेद, अनुवाद का महत्त्व।

इकाई –2 अनुवाद की समस्याएँ, अनुवाद की प्रक्रिया, अच्छे अनुवादक के गुण ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- अनुवाद विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
- अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्षय : सं0 दिलीप सिंह/प्रो0 ऋषभदेव शर्मा
- रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान : सं0 डॉ0 सुरेश माहेश्वरी
- अनुवाद के विविध आयाम : डॉ0 राम गोपाल सिंह जादौन
- हिन्दी अनुवाद सिद्धन्त और प्रयोग : डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
- अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ0 सुरेश कुमार
- अनुवाद शास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)
- अनुवाद–सिद्धांत और समस्या : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अनुवाद– सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ0 जी. गोपीनाथन
- अनुवाद की विविध समस्याएं : डॉ0 ओमप्रकाश गाबा
- अनुवाद प्रविधि : स0 सूर्यप्रसाद दीक्षित, डॉ0 सत्यदेव मिश्र

SEMESTER III **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

III. GENERIC ELECTIVE (GE 3)
सामान्यीकृत चयन –GE 3:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

साहित्य और पत्रकारिता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

साहित्य और पत्रकारिता

साहित्य और पत्रकारिता का सम्बन्ध, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा, साहित्यिक पत्रकारिता का उद्देश्य, साहित्यिक पत्रकारिता का भविष्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ0 वंशीधर लाल
- भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 वंशीधर लाल
- साहित्य और पत्रकारिता : डॉ0 चन्द्रकान्त मेहता
- साहित्यिक पत्रकारिता : डॉ0 ज्योतिष जोशी
- हिन्दी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श : डॉ0 शिवनरायण
- हिन्दी पत्रकारिता– स्वरूप और संदर्भ : डॉ0 विनोद गोदरे
- पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा
- संपूर्ण पत्रकारिता. इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- आधुनिक पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- हिंदी के विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान : डॉ0 नागेश्वर सिंह
- हिंदी पत्रकारिता : पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र
- बाखबर–बेखबर : डॉ मिथिलेश
- हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : डॉ0 वेद प्रताप वैदिक
- पत्रकारिता नये सिद्धांत एवं प्रयोग : रत्नेश्वर
- u सपादन विज्ञान/समाचार एक दृष्टि : रत्नेश्वर
- पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
- पत्रकारिता और स्तंभ लेखन : चन्द्रभूषण
- दूरदर्शनः दरश और दिशा, दूरदर्शन की भूमिका : डॉ0 सुधीश पचौरी
- d ब्रेक के बाद, नये जनसंचार माध्यम और हिंदी : डॉ0 सुधीश पचौरी

SEMESTER IV **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

IV. GENERIC ELECTIVE (GE 4))
सामान्यीकृत चयन –GE 4:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

रचनात्मक लेखन की विधाएँ

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 कविता के विविध रूप – प्रबन्ध काव्य, खण्ड काव्य, चम्पू काव्य, मुक्तक काव्य, गीत, गजल, छंद, लय और तुक।

इकाई –2 नाटक के विविध रूप – पूर्णकालिक नाटक, एकांकी, काव्य नाटक, रंगमंच।

इकाई –3 उपन्यास और कहानी – लघुकथा और व्यंग्य, आत्मकथा और जीवनी, संस्मरण और यात्रावृतांत, डायरी और पत्र लेखन।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- वांग्मय विमर्श : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- साहित्यिक विधाएँ – पुनर्विचार : डॉ0 हरिमोहन
- d हिन्दी की नई विधाएँ : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
- d साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
- साहित्य सहचर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- विधाओं का विन्यास : अनन्त विजय
- साहित्यिक विधाएँ–सैद्धांतिकपक्ष : मधुधवन
- h काव्य के रूप : गुलाब राय
- सिद्धांत और अध्ययन : गुलाब राय
- हिंदी काव्य विमर्श : गुलाब राय
- काव्य के तत्त्व : आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
- h अलंकार मुक्तावली : आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
- अलंकार प्रकाश : डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
- हिंदी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह
- काव्यशास्त्र निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

COURSES OF STUDY FOR **ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE** IN **"HINDI"**

SEMESTER I **ENGLISH COMMUNICATION** **1 Paper**

I. ENGLISH COMMUNICATION

Theory: 30 Lectures

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

Instruction to Question Setter for

End Semester Examination (ESE):

*There will be **two** group of questions. **Group A is compulsory** and will contain three questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of ten questions of 1 mark each. **Question No.2 & 3 will be short answer type** of 5 marks. **Group B will contain descriptive type** six questions of 20 marks each, out of which any four are to answer.*

***Note:** There may be subdivisions in each question asked in Theory Examinations.*

OBJECTIVE: To equip students effectively to acquire skills in reading, writing, comprehension and communication, as also to use electronic media for English Communication.

Unit I: Communication – Definition, stages, barriers, types: verbal and non-verbal, Listening- Meaning, Nature and importance, Principles of Good Listening.

Unit II: Class-presentation (Oral for five minutes) on any of the above-mentioned topics: Descriptive writing, expansion of an idea.

Unit III: Writing skills –, notice writing, advertisement writing, précis writing, essay writing, letter writing (applications), Business letter formats (letters of enquiry, replies and complaints), resume writing, covering letter

Unit IV: Vocabulary building: One word substitution, synonyms and antonyms, idioms and phrases

Suggested Reading:

- *Technical Communication*, M.H. Rizvi, Tata McGrawhill
- *Effective Business Communication*, Asha Kaul
- *Developing Communication Skills*, Krishnamohan
- *Functional Grammar and Spoken and Written Communication in English*, Bikram K. Das, Orient Blackswan
- *Precis, Paraphrase and Summary,* P.N. Gopalkrishnan, Authors Press
- *Communication Skills,* Sanjay Kumar and Pushplata, Oxford Publication

Note: Latest edition of text books may be used.

OR

SEMESTER I **HINDI COMMUNICATION** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

II. HINDI COMMUNICATION

Theory: 30 Lectures

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100 **Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश
छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड **A** ' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड **B** ' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।*
नोट : थ्योरी परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी व्याकरण एवं संप्रेषण (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -02) सैद्धान्तिक: 30 व्याख्यान

इकाई–1 हिन्दी व्याकरण और रचना,
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, कारक, वचन, संधि,उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, लिंग निर्णय, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

इकाई –2 निबंध कला तथा समसामयिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर निबंध लेखन

इकाई –3 संप्रेषण (संचार)
–संप्रेषण की अवधारण और महत्व, संप्रेषण के लिए आवश्यक शर्तें, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण का माध्यम, संप्रेषण कला, संप्रेषण की तकनीक, वाचन कला, समाचार वाचन, साक्षात्कार कला, रचनात्मक लेखन का लक्ष्य, रचनात्मक लेखन का आधार, भाव और विचारों की प्रस्तुति, वाक् कला की उपयोगिता। अथवा 'रश्मिरथी' - व्याख्या एवं प्रश्नोत्तर

अनुशंसित पुस्तकें :–

) वृहत व्याकरण भास्कर	: डॉ0 वचनदेव कुमार
☐ वृहत निबंध भास्कर	: डॉ0 वचनदेव कुमार
☐ आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	: डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
☐ रचना मानस	: प्रो0 रामेश्वर नाथ तिवारी
☐ व्यवहारिक हिन्दी	: डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
☐ रचनात्मक लेखन	: डॉ0 रमेश गौतम
☐ राजहंस हिन्दी निबंध	: प्रो0 आर0 एन0 गौड़
☐ सफल हिन्दी निबंध	: रत्नेश्वर
☐ निबंध सहचर	: डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद
☐ उपकार मुहावरे और लोकोक्तियाँ	: प्रो0 राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी
☐ कहानियों कहावतों की	: प्रताप अनम
☐ सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण	: डॉ0 वैश्ना नारंग
☐ शैली विज्ञान	: डॉ0 सुरेश कुमार
☐ शैली विज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण	: डॉ0 पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'
☐ शैली विज्ञान का इतिहास	: डॉ0 पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'

OR

SEMESTER I **AECC NH + ENGLISH** **1 Paper**

Total 50 x 2 = 100 Marks

III. AECC NH + MB COMMUNICATION
(NON-HINDI + MATRI BHASHA)
अहिन्दी + मातृभषा

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक 01 + 01 = 02)

[A] NON-HINDI
अहिन्दी

Theory: 15 Lectures
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -01)

Marks : 50 (ESE 1.5 Hrs) = 50 **Pass Marks Th ESE = 20**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश
छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें लघु उत्तरीय 5 अंक का दो प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में तीन में से किन्हीं दो 20 अंको के विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिन्दी व्याकरण एवं संप्रेषण

सैद्धान्तिक: **15** व्याख्यान

इकाई–1 हिन्दी व्याकरण और रचना,
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, कारक, वचन, संधि,उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, लिंग निर्णय, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

इकाई –2 संप्रेषण (संचार)
–संप्रेषण की अवधारण और महत्व, संप्रेषण के लिए आवश्यक शर्तें, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण का माध्यम, संप्रेषण कला, संप्रेषण की तकनीक, वाचन कला, समाचार वाचन, साक्षात्कार कला, रचनात्मक लेखन का लक्ष्य, रचनात्मक लेखन का आधार, भाव और विचारों की प्रस्तुति, वाक् कला की उपयोगिता। अथवा 'पंचवटी' - व्याख्या एवं प्रश्नोत्तर

अनुशंसित पुस्तकें :–

वृहत व्याकरण भास्कर	: डॉ0 वचनदेव कुमार
वृहत निबंध भास्कर	: डॉ0 वचनदेव कुमार
आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	: डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
रचना मानस	: प्रो0 रामेश्वर नाथ तिवारी
व्यवहारिक हिन्दी	: डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
रचनात्मक लेखन	: डॉ0 रमेश गौतम
राजहंस हिन्दी निबंध	: प्रो0 आर0 एन0 गौड़
सफल हिन्दी निबंध	: रत्नेश्वर
निबंध सहचर	: डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद
उपकार मुहावरे और लोकोक्तियाँ	: प्रो0 राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी
कहानियों कहावतों की	: प्रताप अनम
सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण	: डॉ0 वैश्ना नारंग
A शैली विज्ञान	: डॉ0 सुरेश कुमार
शैली विज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण	: डॉ0 पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'
शैली विज्ञान का इतिहास	: डॉ0 पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'

[B] MATRI BHASHA COMMUNICATION

Theory: 15 Lectures

मातृभषा संप्रेषण (संचार) **Marks : 50 (ESE 1.5 Hrs) = 50** (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -01)

[B 1] BENGALI COMMUNICATION OR

[B 2] SANSKRIT COMMUNICATION OR

[B 3] URDU COMMUNICATION OR

[B 4] TRL COMMUNICATION OR

[B 5] AECC ENGLISH

Theory: 15 Lectures

Marks : 50 (ESE 1.5 Hrs) = 50 **Pass Marks Th ESE = 20**

Instruction to Question Setter for

End Semester Examination (ESE):

*There will be **two** group of questions. **Group A is compulsory** and will contain two questions of 5 marks each. **Group B will contain descriptive type** three questions of 20 marks each, out of which any two are to answer.*

***Note:** There may be subdivisions in each question asked in Theory Examinations.*

Unit I: Novel

1. The English Teacher (R.K. Narayan)

Unit II: Poetry

1. Stopping by words on a Snowy Evening (Robert Frost)
2. A slumber did My Sprit Seal (William Woodworth)
3. My Native Land (H.L.V. Derozio)
4. The Night of Scorpion (Nissim Ezekiel)
5. Break, Break, Break (A.L. Tennyson)
6. Starlit Night (G.M. Hopkins)

Unit III: Grammer

1. Common Errors
2. Fill up the blanks with prepositions.
3. One word substitution.

Suggested Reading:

- A String of Poems (Edited by: S.M.P.N. Singh Sashi and A.B.Sharan)
- The Winged Word (Edited by: David Green)

SAMPLE CALCULATION FOR SGPA & CGPA FOR UNDERGRADUATE
'B.Sc./B.A./B.Com/B.Voc. Honours' PROGRAMME

Distribution of Credits Semester wise for Undergraduate Honours Courses

Table B-1: UG (B.A./ B.Sc./B.Com. /B.Voc Hons. Programme)

Semester wise distribution of 164 Credits

	CC	AECC	GE-A	GE-B	SEC	DSE	Total credits
Semester I	12	02	06	06			20
Semester II	12	02	06	06			20
Semester III	18		06	06	02		26
Semester IV	18		06	06	02		26
Semester V	12					12	24
Semester VI	12					12	24
	84	**04**	**24**	**24**	**04**	**24**	**140 + 24 = 164**

CC=Core Course; AECC=Ability Enhancement Compulsory Course; GE=Generic Elective; SEC=Skill Enhancement Course; DSE=Discipline Specific Elective

Table B-3: Sample calculation for SGPA for B.Sc./B.A./B.Com/B.Voc. Honours Programme

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
Semester I					
C-1	06	A	8	48	
C-2	06	B+	7	42	
AECC-1	02	B	6	12	
GE-1A	06	B	6	36	
GE-1B	06	B+	7	42	
Total	**26**			**180**	**6.92 (180 / 26)**
Semester II					
C-3	06	B	6	36	
C-4	06	C	5	30	
AECC-2	02	B+	7	14	
GE-2A	06	A+	9	54	
GE-2B	06	B+	7	42	
Total	**26**			**176**	**6.76 (176 / 26)**
Semester III					
C-5	06	A+	9	54	
C-6	06	0	10	60	
C-7	06	A	8	48	
SEC-1	02	A	8	16	
GE-3A	06	0	10	60	
GE-3B	06	B+	7	42	
Total	**32**			**280**	**8.75 (280 / 32)**
Semester IV					
C-8	06	B	6	36	
C-9	06	A+	9	54	
C-10	06	B	6	36	
SEC-2	02	A+	9	18	
GE-4A	06	A	8	48	
GE-4B	06	B+	7	42	
Total	**32**			**234**	**7.31 (234 / 32)**
Semester V					
C-11	06	B	6	36	
C-12	06	B+	7	42	
DSE-1	06	0	10	60	
DSE-2	06	A	8	48	
Total	**24**			**186**	**7.75 (186 / 24)**
Semester VI					
C-13	06	A+	9	54	
C-14	06	A	8	48	
DSE-3	06	B+	7	42	
DSE-4	06	A	8	48	
Total	**24**			**192**	**8.0 (192 / 24)**
CGPA					
Grand Total	**140+24=164**			**1248**	**7.61 (1248 / 164)**

Table B-4: Sample calculation for CGPA for B.Sc./B.A./B.Com/B.Voc. Honours Programme

Semester I	Semester II	Semester III	Semester IV	Semester V	Semester VI
Credit:26; SGPA:6.92	Credit:26; SGPA: 6.76	Credit:32; SGPA: 8.75	Credit:32; SGPA: 7.31	Credit:24; SGPA: 7.75	Credit:24; SGPA: 8.0

Thus CGPA= (26x6.92+26x6.76+32x8.75+32x7.31+24x7.75+24x8.0)/164=**7.61**

MARKS DISTRIBUTION FOR EXAMINATIONS AND FORMAT OF QUESTION PAPERS

Marks Distribution of Mid Semester Theory Examinations:

Table No. C1: Marks distribution of Theory Examinations of Mid Semester

Topic	Code	Full Marks	Pass Marks	Time	Group-A (Very short answer type Compulsory Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Group-B (Descriptive Questions with Choices) No. of Questions x Marks = F.M.	Total No. of Questions to Set	
							Group A	Group B
Mid Sem*	T15	15	---	1 Hr	5 x1 =5	2 (out of 3) x5 =10	5	3
	T25	25	---	1 Hr	5 x1 =5	4 (out of 6) x5 =20	5	6

Marks Distribution of End Semester Theory Examinations:

Table No. C2: Marks distribution of Theory Examinations of End Semester

Topic	Code	Full Marks	Pass Marks including Mid Sem	Time	Group-A# (Very short answer type Compulsory Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Group-B (Descriptive Questions with Choices) No. of Questions x Marks = F.M.	Total No. of Questions to Set	
							Group A#	Group B
End Sem	T60	60	30	3 Hrs	Q.No.1 (10x1) + 1x5 =15	3 (out of 5) x15 =45	2	5
	T75	75	40	3 Hrs	Q.No.1 (10x1) + 1x5 =15	4 (out of 6) x15 =60	2	6
	T100	100	40	3 Hrs	Q.No.1 (10x1) + 2x5 =20	4 (out of 6) x20 =80	3	6
	T50 +T50	50X2=100	20	3 Hrs	2 x5 =10	2 (out of 3) x20 =40	2	3

 # Question No.1 in Group-A carries 10 very short answer type 1 Mark Questions.

Marks Distribution of Mid/End Semester Practical Examinations:

Table No. C3: Marks distribution of Practical Examinations of End Semester

Topic	Code	Full Marks	Pass Marks	Time	Distribution of Marks			Total No. of Questions to Set
					Experiment	Record	Viva	
End Sem	P25	25	10	3 Hrs	15	5	5	
	P50	50	20	3 Hrs	30	10	10	Pr. with components of both papers
	P75	75	30	3 Hrs	45	15	15	Pr. with components of all three papers
	P100	100	40	3 Hrs	60	20	20	Pr. with components of all four papers

Abbreviations : **T**= Theory Examination, **P**= Practical Examination.

Mid Sem* : There will be 15 Marks Theory Examination in Practical Subjects and 25 Marks Theory Examination in Non-Practical Subjects/ Papers. 25 Marks Theory Examination may include 10 Marks questions from Assignment/ Project/ Tutorial where ever applicable.

Note : There may be subdivisions in each question asked in Theory Examinations.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR MID SEM EXAMINATION

OF

SUBJECTS WITH PRACTICAL

Ranchi University, Ranchi

Mid Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =15 **Time**=1Hr.

General Instructions:
समान्य निर्देश :

i. **Group A** carries very short answer type compulsory questions.
(खंड 'A' में अत्यंत लघु उत्तरीय अनिवार्य प्रश्न हैं।)
ii. **Answer 2 out of 3** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के तीन में से किन्हीं दो विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. ..... [5x1=5]
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

Group B

6. ..... [5]
7. ..... [5]
8. ..... [5]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR MID SEM EXAMINATION

OF

SUBJECTS WITHOUT PRACTICAL

Ranchi University, Ranchi

Mid Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =25 **Time**=1Hr.

General Instructions:
सामान्य निर्देश :

i. **Group A** carries very short answer type compulsory questions.
(खंड 'A' में अत्यंत लघु उत्तरीय अनिवार्य प्रश्न हैं।)
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के छः में से किन्हीं चार विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. ..... [5x1=5]
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

Group B

6. ..... [5]
7. ..... [5]
8. ..... [5]
9. ..... [5]
10. ..... [5]
11. ..... [5]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEM EXAMINATION

OF

AECC NH + MB COMMUNICATION

Ranchi University, Ranchi

End Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =50 **P.M.**=20 **Time**=1.5Hrs.

General Instructions:

i. **Group A** carries short answer type **compulsory** questions.
(खंड 'A' में लघु उत्तरीय अनिवार्य प्रश्न हैं।)

ii. **Answer 2 out of 3** subjective/ descriptive questions given **in Group B**.
(खंड 'B' के तीन में से किन्हीं दो विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)

iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)

iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)

v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. ..... [5]

2. ..... [5]

Group B

3. ..... [20]

4. ..... [20]

5. ..... [20]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEM EXAMINATION

OF

SUBJECTS WITH PRACTICAL

Ranchi University, Ranchi

End Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =60 **P.M.**=30 (Including Mid Sem) **Time**=3Hrs.

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 3 out of 5** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के पाँच में से किन्हीं तीन विषयनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. [10x1=10]

[10x1=10]

i. .....
ii. .....
iii. .....
iv. .....
v. .....
vi. .....
vii. .....
viii. .....
ix. .....
x. .....

2. ..... [5]

Group B

3. ..... [15]

4. ..... [15]

5. ..... [15]

6. ..... [15]

7. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEM EXAMINATION

OF

SUBJECTS WITHOUT PRACTICAL

Ranchi University, Ranchi

End Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =75 **P.M.**=40 (Including Mid Sem) **Time**=3Hrs.

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के छः में से किन्हीं चार विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. [10x1=10]

i. .....
ii. .....
iii. .....
iv. .....
v. .....
vi. .....
vii. .....
viii. .....
ix. .....
x. .....

2. ..... [5]

Group B

3. ..... [15]
4. ..... [15]
5. ..... [15]
6. ..... [15]
7. ..... [15]
8. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEM EXAMINATION

OF

GE, SEC, GENERAL & AECC HINDI/ ENGLISH COMMUNICATION

Ranchi University, Ranchi

End Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =100 **P.M.**=40 **Time**=3Hrs.

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के छः में से किन्हीं चार विषयनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. [10x1=10]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....
   vi. .....
   vii. .....
   viii. .....
   ix. .....
   x. .....
2. ..... [5]
3. ..... [5]

Group B

4. ..... [20]
5. ..... [20]
6. ..... [20]
7. ..... [20]
8. ..... [20]
9. ..... [20]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.